RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 199 , मंगलवार, 01 सितंबर 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

बेरुआ घाट पुल आज से होगा शुरू, शहर के ट्रैफिक दबाव में आएगी कमी 03

घाटकोसुम्भा क्षेत्र में जलजमाव की समस्या गंभीर : एमएलसी ललन कुमार 04

मेरी बाइसेक्सुअलिटी के बारे में माता-पिता को मालूम था: आकांक्षा चमोला 07

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में 47 लाख नाम एसआईआर ड्राफ्ट रोल से बाहर

नई दिल्ली/मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र और दिल्ली में एसआईआर के तहत 31 अगस्त को ड्राफ्ट वोटर रोल यानी प्रारूप मतदाता सूची जारी की गई। दिल्ली में कुल 1 करोड़ 45 लाख मतदाता हैं। इनमें से 47 लाख 56 हजार 722 मतदाताओं के नाम ड्राफ्ट लिस्ट से बाहर हैं। वहीं, महाराष्ट्र में करीब 2 करोड़ 7 लाख मतदाताओं के नाम फिलहाल ड्राफ्ट रोल में नहीं हैं। डिजिटाइजेशन के लिए फॉर्म जमा न होने और अन्य तकनीकी कारणों से कई मतदाताओं के नाम फिलहाल इस सूची में शामिल नहीं हो पाए हैं। इनमें अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत, डुप्लिकेट, विदेशी और अन्य मामले शामिल हैं।

जिन लोगों के नाम ड्राफ्ट लिस्ट में नहीं हैं, वे 30 सितंबर 2026 तक दावा या आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। दावों और आपत्तियों का डिस्पोजल प्रोसेस 29 अक्टूबर 2026 तक पूरा किया जाएगा। इसके बाद 4 नवंबर 2026 को अंतिम मतदाता सूची जारी होगी।

प्रत्याशियों को लेकर मायावती ने की अहम बैठक

लखनऊ (एजेंसी)। सोमवार को बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की महत्वपूर्ण बैठक पार्टी प्रमुख मायावती की मौजूदगी में हुई। यह बैठक यूपी में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के प्रत्याशियों के चयन के लिए हुई। इस बैठक में पार्टी के दिवंगत विधायक उमाशंकर सिंह के पुत्र प्रिंस यूकेश भी शामिल हुए। इससे यह साफ संकेत मिला है कि यूकेश को बीएसपी चुनाव में प्रत्याशी बनाने वाली है।

बसपा ने इस बैठक में अपने सभी संभावित प्रत्याशियों को बुलाया था। इनमें प्रिंस यूकेश की मौजूदगी से साफ सियासी संकेत मिले। माना जा रहा है कि प्रिंस यूकेश को पार्टी ने प्रत्याशी बनाना लगभग तय कर लिया है।

विधानसभा चुनाव की तैयारियों की गहन समीक्षा– बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने यूपी के सभी 75 जिलों के अध्यक्षों और वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ की बैठक। यह बैठक 12 माल एवेन्यू स्थित बीएसपी के कार्यालय में हुई। इसमें आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों की गहन समीक्षा की गई। उम्मीदवारों के चयन और पोलिंग बूथ स्तर तक कमेटियों के पुनर्गठन पर भी चर्चा की गई। मायावती ने कहा कि, विरोधियों के साम, दाम, दंड, भेद के घिनौने हथकंडों का मुस्तैदी से सामना करना है।

उपलब्धि ! अब भारत में बनेगा 'टैंकों का काल', डील पक्की

टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स ने अमेरिकी कंपनी से मिला लिया हाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने अमेरिका से जैवलिन एंटी-टैंक मिसाइल सिस्टम खरीदने के लिए हाल में एक डील की थी। लेकिन अब इस मिसाइल को भारत में भी बनाया जाएगा। टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड ने जैवलिन जॉइंट वेंचर के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। इसका मकसद भारत में जैवलिन ऑल अप राउंड मिसाइल के संयुक्त उत्पादन की संभावनाओं का पता लगाना है। जैवलिन जॉइंट वेंचर में रेथियॉन और लॉकहीड मार्टिन की पार्टनरशिप है।

इस मिसाइल को टैंकों का काल कहा जाता है। जैवलिन मीडियम रेंज की गाइडेड मिसाइल है जिसे टैंक और बख्तरबंद गाड़ियों को निशाना बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। कंपनियों ने एक संयुक्त बयान में कहा कि दोनों कंपनियां भारत में एक समर्पित फाइनल असेंबली और इंटीग्रेशन फैसिलिटी बनाने के साथ-साथ कंपोनेंट बनाने की क्षमताओं पर भी विचार करने की योजना बना रही हैं। प्रस्तावित फैसिलिटी भविष्य की उत्पादन जरूरतों को पूरा करने में मदद करेगी और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में क्षेत्रीय स्थिरता में योगदान देगी। प्रस्तावित उत्पादन मॉडल अमेरिकी सप्लाई चेन को भारतीय असेंबली लाइनों से जोड़ेगा। अलबामा में ट्रॉय में स्थित लॉकहीड मार्टिन की फैसिलिटी कई वर्षों तक सब-असेंबली किट बनाएगी, जबकि एरिजोना के टक्सन में रेथियॉन की फैसिलिटी गाइडेंस इलेक्ट्रॉनिक्स यूनिट का उत्पादन करेगी। इसके बाद कंपोनेंट को फाइनल असेंबली और इंटीग्रेशन के लिए भारत भेजा जाएगा।

एमपी के मंत्री विजय शाह की बढ़ सकती हैं मुश्किलें!

कर्नल सोफिया कुरैशी केस में सुप्रीम कोर्ट से आ गया बड़ा अपडेट

विजय-शाह के 'आतंकवादियों की बहन' केस में एसआईटी जांच पूरी

नई दिल्ली/भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के मंत्री कुंवर विजय शाह की कर्नल सोफिया कुरैशी पर की गई विवादित टिप्पणी के मामले में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। शाह ने कर्नल कुरैशी को 'आतंकवादियों की बहन' कहा था। उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर को चुनौती देते हुए शाह ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। सुनवाई के दौरान मध्य प्रदेश पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने बताया कि मामले की जांच पूरी हो चुकी है। जांच रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में सुप्रीम कोर्ट के सामने पेश कर दी गई है। हालांकि, विजय शाह के खिलाफ अभियोजन चलाने की मंजूरी अभी राज्यपाल के स्तर पर लंबित है।

सुप्रीम कोर्ट को राज्यपाल के फैसले का इंतजार

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहन की पीठ के सामने सुनवाई हुई। एसआईटी की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज ने बताया कि अभियोजन की मंजूरी के लिए राज्य सरकार की ओर से की गई सिफारिश पर राज्यपाल के स्तर पर फैसला होना बाकी है। इस पर न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची ने कहा कि राज्यपाल को इस पर फैसला लेने दिया जाए। सीजेआई सूर्यकांत ने भी कहा कि जांच रिपोर्ट सक्षम प्राधिकारी के सामने जानी है। एससी ने फिलहाल अभियोजन की मंजूरी के मुद्दे में हस्तक्षेप नहीं किया। एससी राज्यपाल के फैसले का इंतजार करेगा।

प्रयागराज एयरफोर्स स्टेशन के पास जबरदस्त विस्फोट

- पटाखा फैक्ट्री में हादसा, 11 लोगों की हुई मौत,15 झुलसे
- 7 से ज्यादा घर गिरे,लोग चारपाई पर घायलों को लेकर भागे

प्रयागराज (एजेंसी)। यूपी में सोमवार को प्रयागराज और कौशांबी बॉर्डर पर एक पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट हो गया। इससे 2 बच्चों समेत 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 झुलस गए। पुलिस के मुताबिक, विस्फोट से पूरी फैक्ट्री जमींदोज हो गई। 100 मीटर के दायरे में बने आसपास के 8 मकान क्षतिग्रस्त हो गए। इनमें से 3 जमींदोज हो गए। हादसा दोपहर साढ़े 12 बजे कौशांबी जिले के मोहम्मदपुर गांव में हुआ। यह गांव प्रयागराज बॉर्डर पर है। यहां से मनौरी स्थित एयरफोर्स स्टेशन दो किमी है। पुलिस, एयरफोर्स, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के 200 जवान रेस्क्यू में जुटे हैं। 10 बुलडोजर से मलबा हटाया जा रहा है। पुलिस को शक है कि मलबे के नीचे कुछ लोग दबे हो सकते हैं। ऐसे में मौत का आंकड़ा और बढ़ सकता है। हादसे के वक्त फैक्ट्री में 20 मजदूर काम कर रहे थे। आसपास के घरों के कुछ लोग भी घायल हैं।

धमाके की आवाज 2 किमी दूर तक सुनाई दी– कुछ ही देर में धुएं का गुबार चारों तरफ छा गया। विस्फोट के बाद पटाखों के चलते लगातार धमाके होते रहे।

भारतीय 'इकोनॉमी' की बल्ले-बल्ले

- आरबीआई के अनुमान से भी ज्यादा तेजी से बढ़ी ग्रोथ
- पहली तिमाही में देश की जीडीपी ग्रोथ 7.8 फीसदी रही
- आईटी व रियल एस्टेट सेक्टर्स में बढ़त का दिखा असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव से बढ़ती महंगाई के बावजूद भारत की इकोनॉमी आरबीआई के अनुमान से ज्यादा मजबूत रही। जीडीपी इस साल की पहली तिमाही यानी अप्रैल-जून में 7.8 फीसदी रही। आरबीआई का अनुमान 7 फीसदी था। एक साल पहले की इसी तिमाही में यह 6.9 फीसदी की दर से बढ़ी थी। बैंकिंग/फाइनेंस, रियल एस्टेट, आईटी और अन्य बिजनेस सर्विसेज सेक्टर में 10 फीसदी से ज्यादा की बढ़त रही। इससे महंगाई का असर जीडीपी ग्रोथ पर नहीं पड़ा। सोमवार को यह आंकड़े केंद्र सरकार के सांख्यिकी विभाग ने जारी किए। ये ताजा आंकड़े जियो-पॉलिटिकल तनाव, ऊर्जा की ऊंची कीमतों और ग्लोबल ट्रेड को लेकर अनिश्चितता के माहौल में आए हैं। इन दबावों के बावजूद घरेलू मांग बढ़ी है।

घरेलू मांग और निवेश दोनों मजबूत हैं

आम तौर पर ऊर्जा की ऊंची कीमतों और महंगाई से आर्थिक गतिविधियां सुस्त पड़ती हैं, लेकिन भारतीय इकोनॉमी ने इस दबाव के बीच भी 7.8 फीसदी की ग्रोथ हासिल की। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच 7.8 फीसदी की ग्रोथ इस बात का संकेत है कि घरेलू मांग और निवेश दोनों मजबूत हैं। पैसेंजर व्हीकल और हाउसहोल्ड व्हीकल रजिस्ट्रेशन में 13.9 और 15.9 फीसदी की ग्रोथ यह दर्शाती है कि आम उपभोक्ता की खरीदारी क्षमता और विश्वास दोनों बने हुए हैं।

अब मेघालय में 'खेला', बीजेपी का ऑपरेशन लोटस हो गया शुरू

- सहयोगी यूडीपी के 9 और टीएमसी के चार विधायकों पर नजर

शिलांग (एजेंसी)। राजनीतिक तौर से शांत माने जाने वाले मेघालय में बड़ी हलचल मची है। सूत्रों के मुताबिक, मेघालय में यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी (यूडीपी) के 9 विधायक बीजेपी में शामिल हो सकते हैं। इन विधायकों ने हाल में ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। इस मुलाकात के बाद यूडीपी नेताओं ने दावा किया था कि वे एफसीआरए कानून और और मेघालय से जुड़े अन्य मुद्दों को लेकर अमित शाह से मिले थे। मगर सूत्र बताते हैं कि यह मुलाकात पार्टी बदलने से जुड़ी थी। इस सियासी उलटफेर में दिलचस्प है कि यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी और बीजेपी दोनों मेघालय में कॉनराड संगमा की सरकार को समर्थन दे रहे हैं। 2023 के मेघालय विधानसभा चुनाव में कॉनराड संगमा की पार्टी को 60 सदस्यों वाली विधानसभा में 26 सीटें मिली थीं। उन्होंने यूडीपी के 12 और बीजेपी के दो विधायकों के समर्थन से सरकार बनाई थी। विपक्षी टीएमसी और कांग्रेस को 5–5 सीटें मिली थीं। जबकि वॉइस ऑफ द पीपल पार्टीके 4 विधायक चुने गए थे। कॉरनाड संगमा को कुल 40 विधायकों का समर्थन हासिल है।

सुप्रीम कोर्ट का सीजेपी प्रदर्शन पर रोक लगाने से इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने 5 सितंबर को दिल्ली में होने वाले कॉकरोच जनता पार्टी के मार्च पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि इस मार्च से कोई अप्रिय घटना होगी, ऐसा मानने की कोई ठोस वजह नहीं है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि प्रशासन से उम्मीद है कि वह कानून-व्यवस्था बनाए रखेगा और सभी पक्षों को जिम्मेदारी से और कानून के मुताबिक काम करना सुनिश्चित करेगा। यह याचिका रिटायर्ड दिल्ली पुलिस अधिकारी राजेंद्र सिंह ने दाखिल की थी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स समिट को देखते हुए

बड़े जुलूस और प्रदर्शन की अनुमति नहीं मिलनी चाहिए। कॉकरोच जनता पार्टी ने शनिवार को सरकार पर मांगे पूरी न करने का आरोप लगाया। सीजेपी ने एक्स पर लिखा कि सरकार हर बार अधूरे वादे करके बच नहीं सकती। सरकार के सामने रखी गईं चार में से तीन मांगें अब भी अधूरी हैं। पहली- छात्रों के परिवारों को मुआवजा दिया जाए।

मुश्किल वक्त में दूसरों की 'मदद' करना भारत की परंपरा

कनाडा में भागवत बोले-विविधता ही हमारे देश की खूबसूरती

कहा-'ये मेरा, वह तुम्हारा' की सोच से हमें ऊपर उठना होगा

टोरंटो (एजेंसी)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत सोमवार को टोरंटो में 'हिंदू विश्व बंधु' कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम में कहा कि मुश्किल वक्त में दूसरों की मदद करना भारत की पुरानी परंपरा रही है। दुनिया में कहीं भी संकट आया और भारत से मदद मांगी गई तो भारत ने कभी पीछे हटकर इनकार नहीं किया। कई बार भारत ने बिना मदद मांगे भी दूसरों की सहायता की है। भागवत ने कहा- भारत में विविधता एकता के खिलाफ नहीं, बल्कि उसकी खूबसूरती है। देश में अलग-अलग जाति, पंथ, भाषाएं और संस्कृतियां हैं,

लेकिन ये सभी एक ही समाज का हिस्सा हैं। उन्होंने विविधता को स्वीकार करने और उसका सम्मान करने की बात कही।

विविधता एकता की अभिव्यक्ति है

भागवत ने कहा कि भारत में विविधता कभी एकता के लिए समस्या नहीं रही। भारतीय परंपरा सिर्फ 'विविधता में एकता' की बात नहीं करती, बल्कि विविधता को ही एकता का हिस्सा मानती है। इसे स्वीकार करना, सम्मान देना और सेलीब्रेट करना चाहिए। भागवत ने कहा कि ईश्वर ने जो कुछ बनाया है, वह अलग-अलग रूप, आकार और रंगों में उसकी सुंदरता और पवित्रता को दिखाता है। हर चीज दिव्य है, इसलिए हर चीज एक है।

भारत ने मुस्लिम-ईसाई सभी को स्वीकार किया

भागवत ने कहा कि हिंदू सभी का सम्मान और स्वीकार करते हैं। दुनिया में कहीं किसी पर अत्याचार हुआ और उसने शरण मांगी, तो उसे भारत में जगह मिली। भारत में मुस्लिम, ईसाई, यहूदी, पारसी और दूसरे समुदाय रहते हैं। लोग सिर्फ शरण लेने ही नहीं, बल्कि ज्ञान हासिल करने के लिए भी भारत आए। उन्होंने कहा कि इंसान को फूल की तरह होना चाहिए। कली फूल बने और अपनी खुशबू पूरे वातावरण में फैलाए। इसी तरह व्यक्ति को विकसित होकर मानवता के लिए समर्पित होना चाहिए। एक हिंदू की सोच यह होनी चाहिए कि मुझे भी आगे बढ़ना है, मुझे सफल होना है, क्योंकि मुझे सेवा करनी है।

अलग-अलग हैं, लेकिन सब एक हैं

उन्होंने कहा कि भारत में कई जातियां, पंथ और भाषाएं हैं। सब कुछ अलग-अलग है, लेकिन हम यह नहीं कहते कि सभी एक जैसे हैं, हम कहते हैं कि सब एक हैं। विविधता प्रकृति का स्वभाव है, जबकि एकता वास्तविकता है। उन्होंने कहा कि अगर हम सोचते हैं कि 'यह मेरा है और वह तुम्हारा है' तो यह सही नहीं है। दुनिया की हर चीज को अपना मानना चाहिए, लेकिन मालिक के तौर पर नहीं, भाई के तौर पर।

26 हजार बंद सरकारी स्कूलों में अब सपा मनाएगी टीचर्स डे

- अखिलेश यादव ने किया ऐलान,जयंत चौधरी पर कसा तंज

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ऐलान किया कि 5 सितंबर को टीचर्स डे के दिन प्रदेश के बंद पड़े 26

हजार सरकारी स्कूलों पर सपा कार्यक्रम आयोजित करेगी और यह बताएगी कि स्कूल को बंद कर दिया गया है। उन्होंने विधानसभा चुनाव के पहले वोटर लिस्ट में बड़े पैमाने पर धांधली की साजिश का भी आरोप लगाया। कहा-चुनाव से पहले बड़े पैमाने पर वोट जोड़ने के लिए एनुअल रिवीजन कराया जाएगा। बिहार, मध्य प्रदेश, झारखंड और छत्तीसगढ़ से लोगों के नाम यूपी की वोटर लिस्ट में डलवाकर बूथ स्तर पर वोट बढ़ाने की कोशिश होगी। पूर्व सीएम अखिलेश यादव सोमवार को लखनऊ में पार्टी कार्यालय पर प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने केंद्रीय मंत्री और आरएलडी अध्यक्ष जयंत चौधरी पर भी तंज कसे। कहा- भाजपा से उनको कम से कम 61 सीटें मिलनी चाहिए तभी उनका सम्मान रहेगा।

आज से सपा शुरू करेगी चुनाव अभियान की शुरुआत– अखिलेश यादव ने ऐलान किया कि चुनाव में समय नहीं बचा है इसलिए सपा कल से ही अपना अभियान शुरू करेगी। अपने संगठन से बूथ स्तर पर काम करने को कहा है। पार्टी कार्यकर्ता वोटर लिस्ट दुरुस्त कराएंगे।

संक्षिप्त समाचार

वैशाली में 32 वर्षीय बिजली मिस्त्री की मौत, ट्रांसफार्मर पर काम करते समय लगा करंट, परिजन बोले- 'मुआवजा मिले'

हाजीपुर। वैशाली जिले के देसरी थाना क्षेत्र में एक बिजली मिस्त्री की करंट लगने से मौत हो गई। यह घटना कोल्डस्टोरेज के पास बिजली ट्रांसफार्मर के पोल पर लाइन बनाते समय हुई। मिस्त्री को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान लखनपुर देसरी गांव निवासी 32 वर्षीय मुनचुन कुमार पासवान के रूप में हुई है। वह योगेन्द्र पासवान के पुत्र थे और पिछले दस वर्षों से बिजली विभाग में मिस्त्री का काम कर रहे थे। मुनचुन के परिवार में उनकी पत्नी और चार बच्चे हैं, जिनमें दो लड़के और दो लड़कियां शामिल हैं। मृतक के चाचा जितेंद्र पासवान ने बताया कि मुनचुन ने बिजली विभाग से शटडाउन लिया था, लेकिन इसके बावजूद बिजली चालू कर दी गई। करंट लगने के बाद मुनचुन पोल से नीचे गिर गए। उन्हें पहले एक स्थानीय निजी अस्पताल ले जाया गया, फिर सदर अस्पताल हाजीपुर रेफर किया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। ग्रामीणों और परिजनों ने इस घटना के लिए बिजली विभाग की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने मांग की है कि मृतक के आश्रित परिवार को मुआवजा दिया जाए और पत्नी या बच्चों में से किसी एक को सरकारी नौकरी प्रदान की जाए ताकि परिवार का भरण-पोषण हो सके। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

ग्रामीणों ने हथियार बरामदगी के दावों को नकारा, यू-ट्यूबर गिरफ्तारी केस में कोर्ट से पुलिस को झटका

हाजीपुर। वैशाली जिले के हरिलोचनपुर थाना क्षेत्र के अफजलपुर पुरैना गांव में एक यू-ट्यूबर की आधी रात हुई गिरफ्तारी ने तूल पकड़ लिया है। इस मामले में पुलिस और स्थानीय ग्रामीण आमने-सामने आ गए हैं। पुलिस ने यू-ट्यूबर कुंदन कुमार को एक लोडेड देसी कट्टे के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार करने का दावा किया है। हालांकि, ग्रामीणों और परिजनों ने पुलिस के इस दावे को पूरी तरह फर्जी और मनगढ़ंत बताया है। परिजनों का आरोप है कि शनिवार देर रात हरिलोचनपुर थाने की पुलिस ने अचानक कुंदन कुमार के घर पर छापा मारा और उसे उठा लिया। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि जब उन्होंने गिरफ्तारी का कारण पूछा तो पुलिसकर्मियों ने उनके साथ बदसलूकी और मारपीट की। उनके शरीर पर चोट के निशान भी देखे जा सकते हैं। छापेमारी के दौरान पुलिस ने न तो कोई पंचनामा तैयार किया और न ही कानूनी प्रक्रियाओं का पालन किया। पुलिस कार्रवाई से आक्रोशित सैकड़ों ग्रामीण देर रात करीब एक बजे हरिलोचनपुर थाने पहुंच गए। शुरुआत में थाने पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने ग्रामीणों को शांत कराते हुए कहा कि यू-ट्यूबर को केवल पूछताछ के लिए लाया गया है। लेकिन, सुबह होते ही पुलिस का रुख बदल गया। जब ग्रामीण सुबह थाने पहुंचे, तो थानाध्यक्ष राकेश कुमार ने बताया कि कुंदन को देसी कट्टे के साथ गिरफ्तार कर आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस के इस यू-टर्न से ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। मामला तब और गंभीर हो गया जब पुलिस कागजी कार्रवाई पूरी कर कुंदन कुमार को रिमांड के लिए हाजीपुर कोर्ट लेकर पहुंची। अदालत ने पुलिस से यू-ट्यूबर के पास से हथियार बरामदगी के पुख्ता साक्ष्य और सबूत मांगे, लेकिन पुलिस कोई भी ठोस दस्तावेज या साक्ष्य पेश करने में असमर्थ रही। कोर्ट ने साक्ष्य के अभाव में पुलिस को कड़ी फटकार लगाई और यू-ट्यूबर को रिमांड पर लेने से साफ इंकार करते हुए वापस लौटा दिया। सोशल मीडिया पर चर्चा और पुलिस की सफाई इस पूरे घटनाक्रम के बाद से सोशल मीडिया पर वैशाली पुलिस की कार्यशैली को लेकर तीखी बहस छिड़ गई है। लोग पुलिस की कार्रवाई पर गंभीर सवालिया निशान लगा रहे हैं।

ग्रामीण न्याय की मांग पर अड़े: वहीं, जब इस संबंध में हरिलोचनपुर थानाध्यक्ष राकेश कुमार से संपर्क किया गया, तो उन्होंने गोलमोल जवाब देते हुए कहा कि यू-ट्यूबर को नियमानुसार न्यायालय में प्रस्तुत करने के लिए भेजा गया था, और आगे की विस्तृत कार्रवाई की जानकारी लेने के बाद ही कुछ स्पष्ट किया जा सकता है। फिलहाल, इलाके में यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है और ग्रामीण न्याय की मांग पर अड़े हैं।

युवक का शव फंदे से लटका मिला, ग्रामीण बोले- घरेलु विवाद में लगाई फांसी, कोलकाता से लौटा था

हाजीपुर। वैशाली के जुड़ावनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत पहाड़पुर पूर्वी गांव में एक युवक का शव फंदे से लटका हुआ मिला। मृतक की पहचान स्थानीय नरेश शाह का बेटा विक्रम कुमार के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। स्थानीय लोगों ने बताया कि शनिवार को विक्रम अपने घर से बाहर नहीं निकला था। जब कुछ स्थानीय लोग उसे खोजने उसके घर गए, तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। दरवाजा खोलने पर विक्रम फंदे से लटका हुआ पाया गया। ग्रामीण सूत्रों के अनुसार, युवक ने घरेलू विवाद के चलते फांसी लगाई है। शनिवार को विक्रम का अपने भाई के साथ किसी बात को लेकर विवाद हुआ था, जिसे मौके पर मौजूद लोगों ने सुलझा दिया था। विक्रम अपने परिवार के साथ कोलकाता में रहता था और कुछ दिन पहले ही पहाड़पुर गांव आया था। उसके परिवार के अन्य सदस्य कोलकाता में गोलगप्पा बेचने का काम करते हैं। घटना की सूचना मिलने पर परिवार के लोग कोलकाता से राघोपुर के लिए रवाना हो गए हैं। जुड़ावनपुर थाना अध्यक्ष अभिषेक कुमार ओझा ने बताया कि युवक के फांसी लगाने की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। मृतक के परिजनों को सूचित कर दिया गया है, जो कोलकाता में रहते हैं। पुलिस इस मामले में आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

हाजीपुर में चोर गिरफ्तार, अवध-असम एक्सप्रेस से चोरी का सामान बरामद

हाजीपुर। वैशाली जिले के हाजीपुर में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने यात्री सुरक्षा के तहत कार्रवाई करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। आरपीएफ पोस्ट हाजीपुर के निरीक्षक प्रभारी पीके रावत के निर्देश पर उपनिरीक्षक राकेश कुमार के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई थी। इस टीम ने हाजीपुर रेलवे स्टेशन परिसर में एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सोनल कुमार के रूप में हुई है, जो इस्माइलपुर हरौली, सदर हाजीपुर, वैशाली का निवासी है। आरोपी के पास से ट्रेन संख्या 15910 (अवध-असम एक्सप्रेस) में एक महिला यात्री से चोरी किया गया लेडीज पर्स बरामद किया गया। पर्स में लगभग 5,000 रुपये कैश, तीन चांदी की बिछिया, एक चेन, मोबाइल चार्जर, ब्लूटूथ डिवाइस और अन्य सामान शामिल था। इन सभी वस्तुओं को विधिवत जब्त कर लिया गया है। इसके अलावा, आरोपी के पास से उसका निजी मोबाइल फोन और कवर सहित एक छोटा चाकू भी मिला है। पूछताछ में आरोपी सोनल कुमार ने 26 अगस्त को ट्रेन संख्या 14005 (लिच्छवी एक्सप्रेस) में भी चोरी करने की बात कबूल की है। लिच्छवी एक्सप्रेस से चोरी हुए सामान की बरामदगी के लिए आरपीएफ और जीआरपी हाजीपुर की संयुक्त टीम ने आरोपी द्वारा बताए गए हरौली-फतेहपुर स्थित संभावित ठिकानों पर छापेमारी की, लेकिन अभी तक सामान बरामद नहीं हो सका है। चोरी के अन्य सामान की बरामदगी के प्रयास जारी हैं। गिरफ्तार आरोपी और बरामद सामान को आगे की आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए राजकीय रेल पुलिस (जीआरपी) थाना हाजीपुर को सौंप दिया गया है।

टीआरई-4.0 के 32,388 पदों पर भर्ती का आवेदन टला

1 सितंबर से शुरू होनी थी प्रक्रिया, जल्द होगा नई तारीखों का ऐलान

एजेंसी, पटना

बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC) ने TRE-4.0 शिक्षक भर्ती परीक्षा की ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया फिलहाल स्थगित कर दी है। इस भर्ती के जरिए शिक्षा विभाग में 32,388 स्कूल शिक्षकों के रिक्त पदों पर नियुक्ति होनी है। BPSC के विज्ञापन संख्या 14/2026 के अनुसार, TRE-4.0 के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 1 सितंबर 2026 से शुरू होनी थी। आयोग ने अब इसे प्रक्रियात्मक बदलाव के कारण स्थगित कर दिया है। दरअसल, शिक्षक अभ्यर्थियों के आंदोलन के दौरान TRE-4 में एकल परीक्षा कराने की मांग उठाई गई थी। इसके साथ ही अभ्यर्थियों ने 'वन कैंडिडेट-वन रिजल्ट' की भी मांग की थी। सरकार ने इन मांगों को मानने की बात कही थी। अब इन्हीं बदलावों को शामिल करते हुए आयोग TRE-4.0 का नया विज्ञापन जारी करेगा। यही वजह है कि 1 सितंबर से शुरू होने वाली आवेदन प्रक्रिया को फिलहाल टाल दिया गया है।

नई तारीख जल्द होगी जारी: आयोग ने बताया है कि आवेदन प्रक्रिया की तारीख में बदलाव किया गया है। अब भर्ती से संबंधित नई तारीख की घोषणा जल्द की जाएगी। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे आवेदन की नई तारीख के लिए BPSC की ओर से जारी होने वाली अगली सूचना का इंतजार करें। फिलहाल 1 सितंबर से आवेदन शुरू नहीं होगा।

छात्रों के आंदोलन के बाद TRE-4 में बदलाव: TRE 4 के तहत शिक्षकों की भर्ती की मांग को लेकर अभ्यर्थियों ने पटना में विरोध प्रदर्शन किया था। इसके बाद सरकार ने इस परीक्षा में बदलाव किए हैं। TRE-4 में अब PT और मेन परीक्षा अलग-अलग नहीं होगी। सरकार ने TRE-4 की एकल परीक्षा कराने की छात्रों की मांग को स्वीकार कर लिया है। इसके अलावा 'वन कैंडिडेट-वन रिजल्ट' की मांग पर भी सरकार ने सहमति जताई है। सरकार के इस फैसले के बाद पटना के गर्दनीबाग में 18 अगस्त से धरने पर बैठे छात्र नेता अमन और जहान्वी ने अपना अनशन तोड़ दिया था। शिक्षा विभाग के सचिव राजीव रौशन ने छात्र नेता अमन को जूस पिलाकर अनशन खत्म कराया था। छात्र नेता सौरभ ने कहा, "सरकार सभी मांगे मान ली हैं। छात्र एकता और संघर्ष की जीत हुई है। छात्रों के सामने सरकार झुकी है।"

CM सम्राट चौधरी ने कहा था कि छात्रों की मांगों को लेकर सरकार शुरू से ही गंभीर रही है। छात्रों की मांगों पर अब कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं। इस बार TRE-4 परीक्षा एकल चरण में आयोजित की जाएगी। इसके साथ ही 9 अन्य महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सुधार के लिए सुझाव और अनुशंसा देने के लिए 'परीक्षा सुधार पर एक विशेषज्ञ समिति' का गठन किया गया है। पटना हाईकोर्ट के जज की अध्यक्षता में गठित यह समिति विभिन्न परीक्षाओं से जुड़ी छात्रों की शिकायतों की भी सुनवाई करेगी।

पटना मरीन ड्राइव पर रफ ड्राइविंग को लेकर मारपीट

एजेंसी, पटना

पटना के मरीन ड्राइव पर देर रात रफ ड्राइविंग को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। घटना के दौरान सड़क से गुजर रहे राहगीर भी सहम गए। इस पूरी घटना का वीडियो फुटेज सामने आया है, जिसमें कुछ युवक एक युवक के साथ मारपीट करते और उसे जबरन कार में बैठाने का प्रयास करते नजर आ रहे हैं।

तेज रफ्तार में रेस लगा रही थीं दो गाड़ियां: बताया जा रहा है कि देर रात दो गाड़ियां काफी तेज रफ्तार में एक-दूसरे को क्रॉस करते हुए रेस लगा रही थीं। इसी दौरान एक गाड़ी दूसरी गाड़ी को रगड़ते हुए आगे निकल गई। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते मामला मारपीट तक पहुंच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हुंडई क्रेटा कार नंबर JH 10CZ 7767 से तीन-चार युवक बाहर निकले। युवकों ने दूसरे पक्ष के एक युवक के साथ मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद उसे जबरन अपनी गाड़ी में खींचकर बैठाने की कोशिश की गई। मौके पर मौजूद लोगों ने घटना का वीडियो बना लिया। वीडियो में दोनों पक्षों के बीच हाथापाई होती दिखाई दे रही है।

- युवक को जबरन कार में बैठाने की कोशिश, शिकायत मिलने पर हो सकती है कार्रवाई

लिखित आवेदन मिलने पर कर सकती है कार्रवाई: घटना के कारण कुछ देर के लिए मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। फिलहाल, इस मामले में दोनों पक्षों में से किसी ने भी संबंधित थाने में लिखित आवेदन नहीं दिया है। पुलिस को आवेदन मिलने के बाद मामले की जांच और वीडियो फुटेज के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।

अनुष्का यादव के सवाल पर भड़के तेज प्रताप

एजेंसी, पटना

पटना में सोमवार को तेजप्रताप यादव से पत्रकारों ने अनुष्का को लेकर सवाल किया तो वे भड़क गए। उन्होंने कहा कि वकवास मत करो। मंत्री संजय कुमार के नोटिस पर उन्होंने कहा कि मैं उससे नहीं डरता। सभी को पता है वो कहां पड़ा रहता है। तेजप्रताप ने मंत्री संजय कुमार पर दिल्ली के होटल में महिला से छेड़छाड़ और पैसे देकर मामला दबाने का आरोप लगाया है। इसके बाद संजय कुमार ने तंज कसते हुए पूछा था, तेजप्रताप बताएं अनुष्का कौन हैं। बिहार सरकार के लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग (PHED) मंत्री और महुआ विधायक संजय कुमार सिंह और तेजप्रताप के बीच तकरार बढ़ गई है। मंत्री की तरफ से लालू यादव के बड़े बेटे और जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव को 50 करोड़ रुपए का मानहानि का नोटिस भेजा है। अब इस मामले में अब LJP(RV) के सुप्रीमो चिराग पासवान की एंट्री हो गई है। चिराग पासवान ने सोमवार को कहा, "अगर मेरी पार्टी के विधायक पर लगे आरोप सही पाए जाते हैं तो मैं ऐसे लोगों को पार्टी से निकाल दूंगा और कानूनी कार्रवाई भी होगी। आरोप बहुत संगीन हैं। पार्टी ने उनसे जवाब तलब किया है।" दरअसल, यह पूरा विवाद तेज प्रताप यादव के सोशल मीडिया पोस्ट से शुरू हुआ। तेज प्रताप ने आरोप लगाया था कि मंत्री संजय कुमार सिंह ने दिल्ली दौरे के दौरान एक बड़े होटल में एक महिला कर्मचारी के साथ कथित तौर पर अभद्र व्यवहार किया और उसके साथ शोषण का प्रयास किया। तेज प्रताप ने अपने पोस्ट में इस मामले को गंभीर बताते हुए सरकार और प्रशासन से निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच की मांग की थी।

डॉक्टर ने अंगवस्त्र हटाया तो पहनाने लगे नीतीश कुमार, कहा- हटाइए मत, इसको रखिए

एजेंसी, पटना

पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद नीतीश कुमार ने सोमवार को मेडिवर्सल अस्पताल में रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट सिस्टम का उद्घाटन किया। इस दौरान मौजूद डॉक्टरों ने उन्हें अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। डॉक्टर निशिकांत नीतीश कुमार को अंगवस्त्र पहना रहे थे, लेकिन उन्होंने उल्टा डॉक्टर के ही गले में अंगवस्त्र डाल दिया। सम्मान मिलने के बाद डॉक्टर अंगवस्त्र हटाने लगे तो नीतीश कुमार ने उन्हें टोक दिया। नीतीश कुमार ने डॉक्टर से कहा, "अरे, क्यों हटा रहे हो... हटाइए मत इसको, रखिए।" इसके बाद वहां मौजूद लोग हंसने लगे।

नीतीश कुमार को पहनाया गया हरा साफा: इससे पहले नीतीश कुमार दरगाह पहुंचे थे। वहां मौजूद लोगों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान उन्हें हरे रंग का साफा पहनाया गया। नीतीश कुमार ने दरगाह पर चादरपोशी की और उर्स में शामिल हुए। उनके साथ मंत्री अशोक चौधरी और जमा खान भी मौजूद रहे।

निशांत ने भी की चादरपोशी: 131वें उर्स के मौके पर शहीद हजरत शाह जलाल की दरगाह पर बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने भी चादरपोशी की। चादरपोशी के बाद स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने कहा कि वह दरगाह पर चादर चढ़ाने आए हैं। उन्होंने कहा कि उनके पिताजी ने जिस तरह सभी धर्मों को साथ लेकर चलने का काम किया है, उसी तरह वह भी सभी धर्मों को साथ लेकर चलेंगे। निशांत कुमार ने कहा कि सभी धर्मों का सम्मान करना और लोगों को साथ लेकर चलना जरूरी है। उन्होंने दरगाह पर चादरपोशी कर अमन-चैन और खुशहाली की दुआ भी मांगी।

- शहीद हजरत शाह जलाल दरगाह में भी की चादरपोशी

आरक्षण के सवाल पर बोले- 'ठीक है, चलिए': दरगाह से निकलने के दौरान निशांत कुमार से आरक्षण को लेकर भी सवाल पूछा गया। इस पर उन्होंने कोई विस्तृत जवाब नहीं दिया। आरक्षण के मुद्दे पर सवाल पूछे जाने पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, "ठीक है, चलिए।" इसके बाद वह आगे बढ़ गए।

बेढ़ना में कथित जहरीली शराब से मौत का मामला, सती घाट पर एक साथ जलीं चार चिताएं

एजेंसी, पटना

बाढ़ के बेढ़ना गांव में कथित जहरीली शराब पीने से चार लोगों की मौत हो गई। सोमवार को पूरे इलाके में शोक का माहौल रहा। सती स्थान गंगा घाट पर एक साथ चार चिताएं जलाई गईं, जिससे चार परिवारों ने अपने सदस्यों को खो दिया।

तस्करों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की: इन मौतों की खबर फैलते ही ग्रामीणों ने अवैध शराब बेचने वालों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों का आरोप है कि यदि अवैध शराब के कारोबार पर समय रहते रोक लगाई जाती, तो यह घटना टाली जा सकती थी।

कृषि मंत्री विजय सिन्हा मौके पर पहुंचे: घटनास्थल पर कृषि मंत्री विजय सिन्हा, एसडीएम कृष्ण जोशी और एसडीपीओ आयुष श्रीवास्तव पहुंचे। अधिकारियों ने आक्रोशित ग्रामीणों को शांत कर जाम हटवाया। इसके बाद चारों शवों का पोस्टमार्टम कराया गया और उन्हें परिजनों को सौंप दिया गया।

मृतक के पिता ने क्या कहा: मृतकों में से एक निशू राज के पिता ने बताया कि उनका बेटा NTPC में काम करता था। उन्होंने बताया कि नीशू घर पर आकर बोला की मम्मी मछली बनाए हैं, चावल बना दो। चावल लेकर वो गयां और 5 मिनट बाद ही जानकारी मिली की ऐसी घटना हुई है। नीशू के पिता ने कहा कि उसके छोटे -छोटे बच्चे हैं। सरकार से मांग है कि वो प्राइवेट जॉब करता था। जो उचित हो सरकार मदद करे।

सती स्थान गंगा घाट पर हुआ अंतिम संस्कार: सोमवार को सती स्थान गंगा घाट पर चारों शवों का अंतिम संस्कार किया गया। एक साथ चार चिताएं जलाई गईं। इस दौरान घाट पर मौजूद परिजनों में शोक व्याप्त था। मृतक निशु राज के पिता राजीव कुमार सिंह ने अपने बेटे की चिता को मुखाग्नि दी। इस दृश्य को देखकर वहां मौजूद लोग भी गमगीन हो गए। ग्रामीणों ने प्रशासन से कथित शराब विक्रेताओं को जल्द गिरफ्तार करने और मृतकों के परिजनों को उचित मुआवजा देने की मांग की है। इस बीच, मद्य निषेध विभाग की टीम ने विभिन्न थाना क्षेत्रों में छापेमारी की है। जानकारी के अनुसार, इस मामले में करीब 20 लोगों को हिरासत में लिया गया है। विभाग की कार्रवाई जारी है। बाढ़ में जहरीली शराब से हुई मौतों को लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने इस घटना की हाई लेवल जांच कराने की मांग की है। तेजस्वी ने कहा, 'बिहार में कानून-व्यवस्था पूरी तरह खराब और बर्बाद हो चुकी है। लगातार घटनाएं हो रही हैं, जो गंभीर बात है। यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना है।' उन्होंने आगे कहा, 'इससे पहले भी इस तरह की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन प्रशासन ने कोई सबक नहीं लिया।

पटना में ट्रेवल एजेंसी के मालिक की संदिग्ध मौत

एजेंसी, पटना

पटना के जक्कनपुर थाना क्षेत्र में 26 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान धनरूआ थाना क्षेत्र के मोरयमा गांव निवासी निवेश कुमार उर्फ बिक्की के रूप में हुई है। निवेश शादीशुदा था और उसकी करीब डेढ़ साल की एक बेटी है। युवक विग्रहपुर रोड नंबर-2 स्थित मकान में अकेले रहकर ट्रेवल एजेंसी का काम करता था और धनरूआ में उसका ए टू जेड नाम से मॉल भी बताया जा रहा है। मृतक के चाचा विनय कुमार शर्मा ने बताया, 'निवेश विग्रहपुर में अकेले रहता था। सोमवार को उससे बातचीत नहीं हो पा रही थी। काफी प्रयास के बाद भी संपर्क नहीं होने पर परिजनों को चिंता हुई।

इसके बाद उन्होंने वहां रहने वाले कुछ लड़कों को निवेश के कमरे पर जाकर देखने के लिए भेजा। साथ ही मामले की जानकारी पुलिस को भी दी गई। पुलिस की मौजूदगी में जब कमरे का दरवाजा तोड़ा गया तो निवेश अंदर ही मिला। परिजनों के मुताबिक, निवेश किसी व्यक्ति से वीडियो कॉल पर बातचीत कर रहा था। इसी दौरान उसने आत्महत्या का प्रयास किया और गिरने से उसकी मौत हो गई। हालांकि, युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो सका है।

'मैं इस सरकार का घमंड तोड़ूंगा...':6 साल का आदित्य 24 घंटे से धरने पर

एजेंसी, पटना

"दशरथ मांझी ने पहाड़ का घमंड तोड़ा था, हम इस सरकार का घमंड तोड़ेंगे।" ये कहना है 6 साल के आदित्य कुमार का, जो पिछले 24 घंटे से पटना के गर्दनीबाग में धरने पर बैठा है। आदित्य के साथ उसके माता-पिता भी मौजूद हैं। धरने पर बैठा आदित्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने की जिद पर अड़ा है। आदित्य का आरोप है कि 25 अगस्त को छात्र आंदोलन के दौरान पुलिस ने उसे जबरन हिरासत में लिया था। उसने दावा किया कि पुलिस ने उसके माता-पिता के साथ भी मारपीट की। बच्चे की मांग है कि जिन IPS और SP ने उसके माता-पिता के साथ मारपीट की, उन्हें सस्पेंड किया जाना चाहिए। आदित्य ने कहा, "मेरा पीएम मोदी जी से अनुरोध है कि हमारी मांगों को सुना जाए। मैं पीएम से मिलकर उन IPS और SP के खिलाफ शिकायत करूंगा। हालांकि, पटना पुलिस ने आदित्य को हिरासत में लेने के आरोप से इनकार किया है। पुलिस का कहना है कि बच्चे को सुरक्षा के लिहाज से प्रदर्शन स्थल से हटाकर थाने में रखा गया था। बाद में उसे उसकी मां को सौंप दिया गया था।

AI कैमरे को लेकर भी साधा निशाना: आदित्य ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के उस बयान का भी जिक्र किया, जिसमें AI कैमरे के जरिए लोगों की पहचान किए जाने की बात कही गई थी। उसने कहा, "सम्राट ने कहा था कि AI कैमरा किसी को खोज निकालेगा। हम गर्दनीबाग में बैठे हैं, आपका AI कैमरा कहां गया? खोजकर आए और हमसे मिले।"

DGPसे मिलकर दी थी चेतावनी, अब धरने पर बैठा आदित्य: आदित्य शनिवार को अपने माता-पिता के साथ पटना पुलिस मुख्यालय पहुंचा था। यहां उसने बिहार के DGPविनय कुमार से मुलाकात की और छात्र आंदोलन के दौरान हुई कार्रवाई को लेकर शिकायत की। आदित्य ने दोषी पुलिसकर्मियों, खासकर एक आईपीएस अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। DGPसे मुलाकात के दौरान उसने कहा था कि अगर हमे न्याय नहीं मिला तो वह गर्दनीबाग धरना स्थल पर बैठकर विरोध करेंगे। अब कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाते हुए आदित्य अपने माता-पिता के साथ धरना स्थल पर पहुंच गया है। उसने मौन धारण किया है और हाथ में संविधान की किताब लेकर न्याय की मांग कर रहा है।

प्रधानमंत्री को चिट्ठी लिखकर न्यायिक जांच की मांग की थी: आदित्य ने तीन दिन पहले कहा था- बिहार से अभी जितने भी बुरे समाचार मिल रहे हैं, हम प्रधानमंत्री से मिलकर उन्हें बताना चाहते हैं। गरीब को मारा जाता है। गरीब की थाने में इज्जत नहीं है। आज मेरे माता-पिता गरीब हैं, तभी तो उनसे उनका काम पूछकर मारा गया। अगर हम लोग अमीर होते, तो थाने में लोग इज्जत से पेश आते और मेरे माता-पिता को मारा-पीटा नहीं जाता। अगर सम्राट चौधरी की भी बात नरेंद्र मोदी नहीं सुनते हैं, तो हम उनसे मिलकर उन्हें सारी बात बताना चाहते हैं। इसलिए आज हमने नरेंद्र मोदी को लेटर लिखा है। हम नरेंद्र मोदी, राहुल गांधी, तेजस्वी यादव, चिराग पासवान, जीतन राम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा, सबसे मिलेंगे और उन्हें सब बताएंगे।

25 अगस्त को डाकबंगला चौराहे पर हुआ था विवाद: पूरे मामले की शुरुआत 25 अगस्त 2026 को पटना के डाकबंगला चौराहे से हुई थी। BPSC और TRE-4 के अभ्यर्थी और छात्र पेपर लीक के खिलाफ विरोध मार्च कर रहे थे। आदित्य भी तिरंगा और पोस्टर लेकर प्रदर्शन में शामिल हुआ था। प्रदर्शन के दौरान स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित करने के लिए वाटर कैनन और लाठीचार्ज किया था। इसी दौरान सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया, जिसमें पुलिसकर्मी एक छोटे बच्चे को वहां से हटाकर ले जाते दिखाई दिए। इसके बाद आदित्य को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा तेज हो गई।

परिवार का आरोप- करीब 8 घंटे तक थाने में रखा: आदित्य की मां का आरोप है कि पुलिस ने मेरे बेटे को सड़क से उठाकर अपने साथ ले गई और करीब 8 घंटे तक थाने में रखा गया। इस दौरान बच्चे को डराया-धमकाया गया। जब हम अपने बच्चे को लेकर थाने पहुंचीं तो पुलिसकर्मियों के साथ कहासुनी हुई। इस दौरान पुलिस ने मेरे साथ मारपीट की।

पुलिस ने कहा- गिरफ्तार नहीं किया गया था: वहीं, बच्चे को हिरासत में लिए जाने को लेकर विवाद बढ़ने के बाद पटना पुलिस ने अपनी सफाई दी थी। पुलिस के अनुसार, आदित्य को गिरफ्तार नहीं किया गया था। पुलिस का कहना था कि प्रदर्शन के दौरान स्थिति तनावपूर्ण थी और बच्चे की सुरक्षा को देखते हुए उसे उपद्रव वाले इलाके से हटाकर थाने ले जाया गया था। वहां उसे सुरक्षित रखा गया और बाद में उसकी मां को सौंप दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

शिक्षक गंगाधर पांडेय नवाज़े जाएंगे 'आचार्य दिनेश शुक्ल शिक्षक सम्मान' से

बीएनएम@ बगहाः बगहा अनुमंडल अंतर्गत रामनगर नगर परिषद क्षेत्र स्थित परमार्थ संस्थान के सबुनी रोड अवस्थित प्रधान कार्यालय में रविवार की शाम संस्था के शैक्षिक समिति की बैठक हुई। समिति द्वारा सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि शिक्षक गंगाधर पांडेय को परमार्थ संस्थान के 9वें शिक्षक सम्मान " आचार्य दिनेश शुक्ल शिक्षक सम्मान " से नवाज़ा जाएगा। समिति को कुल 29 नामों का प्रस्ताव प्राप्त हुआ था जिसमें सर्वसम्मति से शिक्षक पांडेय के नाम की सहमति बनी। रामनगर प्रखंड के महुई निवासी गंगाधर पांडेय , शिवनाथ पांडेय के सुपुत्र हैं। 1994 बैच के सहायक शिक्षक पांडेय का प्रथम योगदान सिकटा प्रखंड के रा. प्रा.वि. भवानीपुर में हुआ था। तत्पश्चात रामनगर के रा.प्रा.वि. पँचरुखिया , बेतिया के रा. म.वि. सिंगाछापर तथा वर्तमान में चनपटिया के रा. उ.म.वि. बरवाचाप मेंप्रधानाध्यापक हैं। यह सम्मान शिक्षक दिवस के दिन संस्थान द्वारा रामनगर में आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में दिया जाएगा। चयन के दौरान बैठक में संस्थान के संस्थापक दिनेश मुखिया , शैक्षणिक सलाहकार रमेश यादव , सौरभ सिंह , सुबोध कुमार यादव , कार्यकारी सदस्य मनीष पांडेय , अनुराग मिश्र , सुरेश कुमार यादव , बब्लू पासवान , मयूरसेन यादव तथा संतोष पॉलुस आदि थे। शिक्षाविद सदाकांत शुक्ल , ओवैदुर्रहमान , गौतम प्रसाद राव , समाजसेवी मधुकर राय , पिंटू सिंह , संजय मिश्र , दीपू पाठक , संदीप मिश्र , शिशिर राय , शेख गुड्डु , दीपक साहु , जीतेंद्र गुप्ता आदि ने शिक्षक गंगाधर पांडेय को बधाई दी हैं।

11 हजार वोल्ट का तार टूटने से मवेशी की मौत

किसान बाल-बाल बचा

बीएनएम@ गिद्धौर(जमुई)। थाना क्षेत्र के कोल्हुआ पंचायत के पूर्वी कोल्हुआ वार्ड संख्या 09 में सोमवार की सुबह बिजली विभाग की घोर लापरवाही के कारण 11 हजार वोल्ट का हाईटेंशन तार अचानक टूटकर गिर गया। इसकी चपेट में आने से एक मवेशी की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि पास ही मौजूद किसान प्रमोद साव बाल-बाल बच गए।सोमवार सुबह करीब 5 बजे जब किसान मवेशियों की देखरेख कर रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। पीड़ित ने बताया कि जर्जर तार को लेकर पहले भी कई बार बिजली विभाग को सूचना दी गई थी, लेकिन अधिकारियों ने कोई ध्यान नहीं दिया।घटना की सूचना मिलने पर गिद्धौर थाना के एसआई मनीष कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच की। वहीं, पशु चिकित्सा विभाग की टीम ने मृत मवेशी का मुआयना किया। इस घटना के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश है और पीड़ित किसान ने विभाग से उचित मुआवजे की मांग की है।

फरार अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम@ अलीगंज(जमुई)। चंद्रदीप थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास से जुड़े मामले में फरार चल रहे एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।थानाध्यक्ष दीनानाथ सिंह ने बताया कि थाना कांड संख्या 155/26 के वांछित अभियुक्त गुड्डू यादव (पिता भिखारी यादव, ग्राम इस्लामनगर) को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, कांड संख्या 167/26 (शराब सेवन) के तहत पुलिस ने इस्लामनगर से दो शराबी व्यक्तियों—अशोक कुमार (धर्मपुर) और सौरभ कुमार (मंझवे)—को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां जुर्माना जमा करने के बाद उन्हें मुक्त कर दिया गया।

नेपाल आपदा पर जमुई जिला प्रशासन अलर्ट

फंसे लोगों की जानकारी सीओ के पास दर्ज कराने की अपील

बीएनएम@ जमुई। नेपाल में आई हालिया प्राकृतिक आपदा को लेकर जमुई जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट और संवेदनशील मोड में आ गया है। आपदा की इस विकट घड़ी में जिले के प्रभावित नागरिकों की जीवन-रक्षा और उनके आश्रितों को फौरन प्रशासनिक मदद पहुंचाना प्रशासन की शीर्ष प्राथमिकता बन गई है। जिला प्रशासन ने आमजनों से अपील की है कि यदि जमुई जिले का कोई भी व्यक्ति या उनका कोई रिश्तेदार नेपाल में फंसा हुआ है और उनसे संपर्क नहीं हो पा रहा है, तो परिजन अविलंब इसकी सूचना अपने नजदीकी अंचलाधिकारी (सीओ) को उपलब्ध कराएं। परिजनों से आग्रह किया गया है कि वे प्रभावित व्यक्ति का पूरा ब्योरा संबंधित कार्यालय में फौरन दर्ज कराएं। प्रशासन के मुताबिक, प्राप्त सभी सूचनाओं और विवरणों को प्राथमिकता के आधार पर संकलित किया जाएगा। इसके बाद राज्य आपदा प्रबंधन विभाग और उच्चाधिकारियों के साथ निरंतर समन्वय स्थापित कर नेपाल में फंसे लोगों की सकुशल व त्वरित स्वदेश वापसी तथा राहत सुनिश्चित करने के लिए जरूरी प्रशासनिक कदम उठाए जाएंगे।

किऊल नदी में डूबे मजदूर का शव 14 घंटे बाद बरामद

परिवार में पसरा मातम

बीएनएम@ बरहट (जमुई)। पत्नेश्वर मंदिर के समीप किऊल नदी में स्नान के दौरान डूबे 30 वर्षीय मजदूर मुन्ना मांझी का शव करीब 14 घंटे की मशक्कत के बाद सोमवार सुबह बरामद कर लिया गया। शव घटनास्थल से करीब दो किलोमीटर दूर पतौना इलाके में झाड़ियों के बीच फंसा मिला। मलयपुर थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जमुई सदर अस्पताल भेज दिया है।टाउन थाना क्षेत्र के अगहारा गांव निवासी मुन्ना मांझी रविवार को पतौना में ढलाई का काम करने के बाद अपने जीजा के साथ नदी में नहाने उतरे थे, जहां तेज बहाव में वे गहरे पानी में समा गए। सूचना मिलते ही प्रभारी थानाध्यक्ष स्वाति कुमारी ने पुलिस बल और एसडीआरएफ-एनडीआरएफ टीम के साथ देर रात तक तलाशी अभियान चलाया।सोमवार सुबह ग्रामीणों की सूचना पर शव बरामद किया गया। मृतक के परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं। परिजनों ने बताया कि महज छह दिन पूर्व ही घर में बेटी का जन्म हुआ था। इस दर्दनाक हादसे से पूरे परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

बेरुआ घाट पुल आज से होगा शुरू, शहर के ट्रैफिक दबाव में आएगी कमी

पुल निर्माण की मांग को लेकर सबसे पहले युवा समाजसेवी रंजीत गिरी ने उठाई थी आवाज, ग्रामीणों की वर्षों पुरानी मांग पूरी

बीएनएम@ मोतिहारी/तुरकौलिया

शहर से सटे मजुराहा के बेरुआ घाट पर नवनिर्मित पुल के शुरू होने का इंतजार अब खत्म होने वाला है। मंगलवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के प्रस्तावित कार्यक्रम में पुल का उद्घाटन किया जाना है। पुल के चालू होने से मजुराहा, हरदिया समेत आसपास के दर्जनों गांवों के लोगों को शहर से सीधा और सुगम संपर्क मिलने की उम्मीद है। साथ ही शहर की मुख्य सड़कों पर वाहनों के बढ़ते दबाव में भी कमी आने की संभावना है। बेरुआ घाट पर पुल निर्माण की मांग को लेकर सबसे पहले तत्कालीन युवा संगठन के संस्थापक अध्यक्ष व युवा समाजसेवी रंजीत गिरी ने आवाज उठाई थी। ग्रामीणों की आवागमन संबंधी परेशानी और शहर से बेहतर कनेक्टिविटी की आवश्यकता को देखते हुए उन्होंने पुल निर्माण की मांग को प्रमुखता से उठाया था। इसके बाद यह मांग धीरे-धीरे क्षेत्र के लोगों की सामूहिक मांग बन गई और पुल निर्माण की दिशा में पहल हुई। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित उद्घाटन कार्यक्रम से एक दिन पहले सोमवार को पूर्व मंत्री सह विधायक कृष्ण नंदन पासवान ने स्थानीय लोगों के साथ पुल का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य के साथ कार्यक्रम स्थल और आसपास की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। विधायक ने कहा कि पुल के चालू होने से ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को शहर आने-जाने में काफी सहूलियत होगी। इससे शहर में बढ़ते ट्रैफिक दबाव को कम करने में भी मदद मिलेगी। पूर्व मुखिया मोहन सिंह ने कहा कि मजुराहा और हरदिया क्षेत्र के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग पुल निर्माण के साथ पूरी हुई है। पुल शुरू होने के बाद आसपास के कई गांवों के लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और बाजार व शहर तक पहुंच आसान होगी। पुल के चालू होने से खासकर ग्रामीण इलाकों से शहर आने वाले लोगों को वैकल्पिक मार्ग मिलने की उम्मीद है। इससे मुख्य सड़कों पर वाहनों का दबाव कम होने के साथ-साथ स्थानीय लोगों के समय और दूरी की भी बचत होगी। निरीक्षण के दौरान भाजपा नेता दीपक शर्मा, राजकिशोर सिंह कुशवाहा, पूर्व मुखिया मोहन सिंह, राकेश सिंह, डॉलवी सिंह, रामु सिंह समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उद्घाटन के बाद पुल को आम लोगों के आवागमन के लिए खोलने की उम्मीद है।

हरसिद्धि में 145 ग्राम गांजा बरामद, महिला समेत दो गिरफ्तार

बीएनएम@ हरसिद्धि

थाना क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थों की बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने सोमवार को दो अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर 145 ग्राम गांजा बरामद किया। इस दौरान एक महिला समेत दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, पहली कार्रवाई गायघाट वार्ड नंबर-9 में हुई। यहां सीमा देवी, पति बिंदेश्री शाह के घर के अंदर संचालित दुकान में छापेमारी की गई। तलाशी के दौरान पुलिस ने 65 ग्राम गांजा बरामद किया। इसके बाद सीमा देवी को गिरफ्तार कर लिया गया। दूसरी कार्रवाई मानिकपुर बाजार में की गई। पुलिस ने मटियरिया पिपरा निवासी देवशरण पंडित की दुकान पर छापेमारी की। दुकान की तलाशी के दौरान करीब 80 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने देवशरण पंडित को भी गिरफ्तार कर लिया। हरसिद्धि थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर दोनों स्थानों पर कार्रवाई की गई। अवैध सूखा नशा के निर्माण, बिक्री और तस्करी पर रोक लगाने के लिए थाना क्षेत्र में लगातार अभियान चलाया जा रहा है। गिरफ्तार दोनों आरोपितों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

रामगढ़वा में ट्रैक्टर-ट्रेलर चोरी का उद्भेदन, तीन गिरफ्तार

» **चोरी गया स्वराज ट्रैक्टर का ट्रेलर पुलिस ने बरामद किया**

बीएनएम@ रामगढ़वा

रामगढ़वा थाना क्षेत्र के बाजार से चोरी हुए स्वराज ट्रैक्टर के ट्रेलर को पुलिस ने बरामद करते हुए मामले में तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, चोरी की घटना 14 जून की रात हुई थी। जानकारी के अनुसार, अज्ञात चोरों ने रामगढ़वा बाजार स्थित अमरेश कुमार पिता अजय प्रसाद की टाइल्स-मार्बल दुकान के सामने से स्वराज ट्रैक्टर एवं ट्रेलर चोरी कर लिया था। मामले में रामगढ़वा थाना कांड संख्या 292/26 के तहत बीएनएस की धारा 303(2) में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। कांड के अनुसंधान के क्रम में पुलिस ने 30 अगस्त को छापेमारी कर कंगली थाना क्षेत्र के गढ़ गनहरिया निवासी शिवजी महतो के घर के बगल से चोरी गया ट्रेलर बरामद किया। पुलिस ने मामले में तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान चौतरवा थाना क्षेत्र के बरियारवा निवासी छठू चौधरी, राज कुमार तथा रामनगर थाना क्षेत्र के इनारबरवा निवासी अजय कुमार यादव के रूप में हुई है। छापेमारी दल में रक्सौल अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी प्रतिश कुमार, रामगढ़वा अंचल के पुलिस निरीक्षक अनुज कुमार पाण्डेय, थानाध्यक्ष संजीव मौआर, अपर थानाध्यक्ष सुमित कुमार प्रसाद सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता को लेकर न्यायिक पदाधिकारियों की बैठक

बीएनएम@ मोतिहारी

आगामी 12 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल एवं प्रभावी आयोजन को लेकर सोमवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी के सचिव नितिन त्रिपाठी के प्रकोष्ठ में सभी न्यायिक पदाधिकारियों की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) पुनित कुमार तिवारी ने की। बैठक में राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिकाधिक मामलों का सुलह-समझौते के आधार पर त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। न्यायालयों में चिन्हित मामलों की समीक्षा करते हुए न्यायिक पदाधिकारियों को पक्षकारों के बीच आपसी सहमति एवं सौहार्दपूर्ण समाधान की संभावनाओं को बढ़ावा देने का निर्देश दिया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव नितिन त्रिपाठी ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत आम लोगों को त्वरित, सुलभ एवं निःशुल्क न्याय उपलब्ध कराने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों से पक्षकारों को लोक अदालत के लाभों की जानकारी देने तथा सुलह की अधिकतम संभावना वाले मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निष्पादन सुनिश्चित करने का आग्रह किया। बैठक में चेक बाउंस, बैंक ऋण, पारिवारिक विवाद, मोटर दुर्घटना दावा, सिविल एवं समझौतायोग्य आपराधिक मामलों सहित अन्य सुलहनीय मामलों के अधिकाधिक निष्पादन की रणनीति पर चर्चा हुई। पक्षकारों को समय पर नोटिस की सेवा, उनकी उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा संबंधित प्रतिवेदनों को समय पर उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता के लिए बेहतर समन्वय, प्रभावी मॉनिटरिंग और चिन्हित मामलों के अधिकतम निष्पादन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने आम नागरिकों से अपील की कि वे 12 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत का लाभ उठाएं और सुलहनीय मामलों का आपसी सहमति से त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण समाधान प्राप्त करें।

भैंस चोरी के आरोप में युवक को पकड़कर बांधा, ग्रामीणों ने की पिटाई

बीएनएम@ तुरकौलिया

भैंस चोरी के आरोप में ग्रामीणों ने एक व्यक्ति को पकड़कर बांध दिया और उसकी पिटाई कर दी। पकड़ा गया व्यक्ति बंजरिया थाना क्षेत्र का निवासी रोज महमद बताया गया है। घटना को लेकर दोनों पक्षों की ओर से तुरकौलिया थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। पन्नालाल राय ने पुलिस को दिए आवेदन में आरोप लगाया है कि रोज महमद तीन लोगों के साथ था और भैंस खोल रहा था। शोर मचाने पर दो लोग मौके से भाग निकले, जबकि ग्रामीणों ने रोज महमद को पकड़ लिया। इसके बाद उसे बांधकर पिटाई की गई। इधर, पिटाई से जख्मी रोज महमद की पत्नी सदिना खातून ने भी थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। उसने आरोप लगाया है कि उसके पति हवा-हवाई चलाने का काम करते हैं। वह रिजर्व में सेमरा भेलाछपरा गए थे। वहां जयमंगल राय ने भैंस चोरी का आरोप लगाकर उनके पति को पकड़ लिया और बांधकर पिटाई करने लगे। आरोप है कि चोरी की अफवाह फैलने के बाद पहुंचे अन्य लोगों ने भी उनके साथ मारपीट की, जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए। सदिना खातून के अनुसार, घटना की सूचना डायल-112 पर दी गई। पुलिस के पहुंचने के बाद उनके पति की जान बच सकी। उसने पति का मोबाइल और हवा-हवाई भी गायब कर दिए जाने का आरोप लगाया है। थानाध्यक्ष रंजीत कुमार ने बताया कि दोनों पक्षों के आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। भैंस चोरी के आरोप में पकड़े गए रोज महमद को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

शिक्षकों को आत्मसम्मान दिलाना ही प्राथमिकता : ई. आनंद पुष्कर

बीएनएम@ रामगढ़वा

विजय कुमार। सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के संभावित एनडीए गठबंधन प्रत्याशी ई. आनंद पुष्कर ने सोमवार को रक्सौल अनुमंडल क्षेत्र के विभिन्न शिक्षण संस्थानों का दौरा कर शिक्षकों से जनसंपर्क किया। इस दौरान उन्होंने शिक्षकों की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान के लिए हरसंभव प्रयास करने का आश्वासन दिया। ई. आनंद पुष्कर ने रक्सौल, आदापुर, छौड़ादानो एवं रामगढ़वा प्रखंड के विभिन्न महाविद्यालयों, उच्च विद्यालयों और वित्तरहित शिक्षण संस्थानों में पहुंचकर शिक्षकों से मुलाकात की। उन्होंने शिक्षकों की समस्याओं, सेवा शर्तों और अन्य मुद्दों की जानकारी ली। इसी क्रम में रामगढ़वा स्थित लोजपा (आर) नेता पंकज कुमार पांडेय उर्फ लोहा पांडेय के आवास पर सामाजिक मुलाकात के दौरान पत्रकारों से बातचीत में ई. आनंद पुष्कर ने कहा कि शिक्षकों के मान-सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा करना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के हित में वे सदन से लेकर सड़क तक लगातार संघर्ष करेंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए उनके अधिकारों और सम्मान से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाना आवश्यक है। शिक्षकों की समस्याओं के समाधान के लिए सरकारी स्तर पर भी पहल कराने का प्रयास किया जाएगा। मौके पर लोजपा (आर) नेता पंकज कुमार पांडेय उर्फ लोहा पांडेय, मनप्रीत ठाकुर, सोनू पचौरी, जितेन्द्र गुप्ता, विशाल कुमार, मनीष कुमार एवं राहुल पासवान समेत दर्जनों लोग मौजूद थे।

चंपारण की साहित्यिक पहचान को आगे बढ़ा रहे डॉ. विनय, विधान परिषद सभागार में मिला विशिष्ट सेवा सम्मान

बीएनएम@ तुरकौलिया

चंपारण की साहित्यिक और सांस्कृतिक पहचान को आगे बढ़ाने में उल्लेखनीय योगदान के लिए राम उग्रह सिंह कुशवाहा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जयसिंहपुर तुरकौलिया के शिक्षक डॉ. विनय कुमार सिंह को पटना में सम्मानित किया गया। हिंदी भाषा एवं साहित्य के क्षेत्र में उनके विशेष योगदान के लिए साहित्यिक-सांस्कृतिक संस्था 'क्षितिज' के संयोजक डॉ. विनय कुमार सिंह को 'लोकचिंतन विशिष्ट सेवा सम्मान' प्रदान किया गया। बिहार विधान परिषद के उपभवन सभागार में आयोजित पंडित राजकुमार शुक्ल स्मृति सम्मान-2026 सह 'लोकचिंतन' स्थापना दिवस समारोह में उन्हें यह सम्मान मिला। समारोह में चंपारण सत्याग्रह से जुड़े महानायकों के साथ बिहार के स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों तथा विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली विभूतियों को भी सम्मानित किया गया। समारोह का उद्घाटन राज्यपाल सैयद अता हसनैन ने किया। मुख्य अतिथि बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार थे। विशिष्ट अतिथियों में उच्च शिक्षा सह विधि विभाग के मंत्री संजय सिंह टाइगर, अखिल भारतीय भोजपुरी साहित्य सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष महामाया प्रसाद विनोद और जनार्दन शर्मा योगी शामिल रहे। डॉ. विनय कुमार सिंह के सम्मानित होने पर पूर्व मंत्री सह विधायक कृष्णनंदन पासवान ने इसे पूरे जिले के लिए गौरव का विषय बताया। उन्होंने कहा कि डॉ. विनय साहित्य के माध्यम से चंपारण की पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत करने का कार्य कर रहे हैं। सम्मान प्राप्त करने के बाद विद्यालय पहुंचने पर प्राचार्य नवीन कुमार पाण्डेय, शिक्षक आनंद भारती सहित अन्य शिक्षकों ने फूल-माला पहनाकर डॉ. विनय कुमार सिंह का स्वागत किया। शिक्षकों ने उनके सम्मान को विद्यालय और क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया।

संक्षिप्त समाचार

मुसहर टोली में पहुंची संस्था की टीम, 250 बच्चों के बीच बांटे बिस्किट

बीएनएम@ नवलपुर। बाढ़ प्रभावित सिसवामंगलपुर पंचायत के मुसहर टोली, वार्ड संख्या-13 में सोमवार को समग्र शिक्षण एवं विकास संस्थान, बेतिया की टीम ने पहुंचकर दलित बस्ती का जायजा लिया। संस्था के कार्यकर्ताओं ने बस्ती में रहने वाले परिवारों से बातचीत कर बाढ़ के कारण उत्पन्न समस्याओं और उनके दैनिक जीवन की स्थिति की जानकारी ली। इस दौरान जरूरतमंद बच्चों के बीच खाद्य सामग्री का वितरण भी किया गया।बस्ती के निरीक्षण के दौरान संस्था की टीम ने पाया कि यहां रहने वाले कई परिवार बेहद कठिन परिस्थितियों में अपना जीवन गुजार रहे हैं। संस्था के कार्यकर्ताओं ने राहत एवं सहयोग कार्यक्रम के तहत संस्था की टीम ने करीब 250 बच्चों के बीच बिस्किट के पैकेट वितरित किए। खाद्य सामग्री मिलने के बाद बच्चों के चेहरे पर खुशी देखने को मिली। बच्चों के साथ मौजूद अभिभावकों ने भी संस्था के इस प्रयास की सराहना की।

लालू प्रसाद की चुप्पी से बिहार को हुआ भारी नुकसान - डॉ. निहोरा

गंगा जल संधि

बीएनएम@ पटना: जनता दल (यूनाईटेड) के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. निहोरा प्रसाद यादव ने 1996 की गंगा जल संधि को लेकर राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय मुख्यमंत्री और केंद्र में प्रभावशाली भूमिका में रहने के बावजूद लालू प्रसाद की चुप्पी ने बिहार के हितों को भारी नुकसान पहुंचाया।डॉ. यादव ने कहा कि तत्कालीन विदेश मंत्री आई.के. गुजराल से घनिष्ठता के बावजूद उन्होंने अपने राजनीतिक फायदों के आगे बिहार के हितों की बलि चढ़ा दी और 1996 से 2011 तक इस पर पूरी तरह चुप्पी साधे रखी। अब जब जद(यू) के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा ने राज्यसभा में इस संधि के नवीनीकरण का पुरजोर विरोध किया है, तब राजद को किसानों और मछुआरों की याद आ रही है।उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा फरक्का बराज के कारण उत्पन्न गाद (सिल्ट) समस्या और गंगा की अविरलता का मुद्दा राष्ट्रीय स्तर पर उठाया है। जद(यू) ने स्पष्ट किया है कि दिसंबर 2026 में समाप्त हो रही इस संधि के नवीनीकरण का विरोध करने के लिए पार्टी केंद्र सरकार के समक्ष ठोस तर्क रखेगी।

आपसी सुलह व समझौते के आधार पर कराएं मामलों का निपटारा: डिस्ट्रिक्ट जज

बीएनएम@ बेगूसराय । राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेगूसराय के मार्गदर्शन में आगामी 12 सितंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन एवं अधिकाधिक मामलों के निष्पादन को लेकर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ऋषिकान्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। उन्होंने लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार पर विशेष जोर देते हुए कहा कि इसकी जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाई जाए, ताकि आमजनों इस अवसर का लाभ उठाकर अपने सुलहनीय मामलों का त्वरित निष्पादन करा सके। राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जिला मुख्यालय स्थित व्यवहार न्यायालय के साथ-साथ तेघड़ा, बलिया, मंझौल एवं बखरी अनुमंडल न्यायालयों के अतिरिक्त रेलवे न्यायालय में भी किया जाएगा। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने निर्देश दिया है कि राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से अधिक से अधिक मामलों का निष्पादन आपसी सुलह एवं समझौते के आधार पर सुनिश्चित किया जाए।

लव मैरिज से नाराज परिवार ने रची बेटी की हत्या की साजिश !

» शादी से 10 दिन पहले फंदे पर मिली थी चंचला
» दो साल बाद हत्यारोपी शिक्षिका मां गिरफ्तार

बीएनएम@ शेखपुरा। जिले के कमासी गांव में वर्ष 2024 में हुई चंचला हत्याकांड की गुत्थी पुलिस ने सुलझाने का दावा किया है। जिस युवती का शव शादी से महज 10 दिन पहले फंदे से लटका मिला था, पुलिस जांच में मामला आत्महत्या नहीं बल्कि हत्या का निकला। इस मामले में पुलिस ने दो साल बाद मृतका की मां और सूरदासपुर में कार्यरत शिक्षिका अनीता देवी उर्फ अनीता कुमारी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि पिता बच्चन देव कुमार उर्फ बच्चन राम की तलाश में छापेमारी जारी है। नगर थाना में कार्यरत दरोगा राजकुमार शाह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद मामले का अनुसंधान शुरू किया गया। जांच में सामने आया कि चंचला की हत्या कर उसके शव को फंदे से लटकाया गया था। पुलिस को 31 अगस्त 2026 को सूचना मिली कि मामले की आरोपी अनीता देवी कोर्ट में तारीख पर पहुंची है। सूचना मिलते ही पुलिस ने कोर्ट परिसर के आसपास घेराबंदी कर दी और सड़क पर निकलते ही उसे गिरफ्तार कर लिया। बताया जाता है कि चंचला ने कारे गांव निवासी प्रेमी राहुल कुमार के साथ 4 जुलाई 2024 को अशोक धाम में भागकर लव मैरिज की थी। राहुल का आरोप था कि इस शादी से चंचला के परिजन खुश नहीं थे। बाद में पिता ने सामाजिक प्रतिष्ठा का हवाला देकर पारंपरिक तरीके से शादी कराने का भरोसा दिलाया। राहुल ने आरोप लगाया था कि घर लौटने के बाद चंचला को प्रताड़ित किया जाने लगा और उसने अनहोनी की आशंका भी जताई थी। अब मां की गिरफ्तारी के बाद पुलिस पिता की तलाश तेज कर चुकी है। इस सनसनीखेज हत्याकांड में पुलिस की अगली कार्रवाई पर सबकी नजर टिकी है।

मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार

बीएनएम@ समस्तीपुर । मोहनपुर थाना पुलिस ने मादक पदार्थ के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना क्षेत्र की दशहरा पंचायत अंतर्गत तेलगामा गांव से 55 डिबिया मादक पदार्थ बरामद किया है। पुलिस ने मौके से एक युवक को गिरफ्तार कर लिया। बरामद मादक पदार्थ की अनुमानित बाजार कीमत करीब 30 हजार रुपये बताई गई है। गिरफ्तार युवक की पहचान तेलगामा गांव निवासी दीपक कुमार, पिता स्व. बद्री राय के रूप में हुई है। पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके में मादक पदार्थ के कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया है।

गंडक के जलस्तर में वृद्धि के साथ ही नदी की धार एक बार फिर हुई तेज, लोगों में दहशत

एक घंटे में पांच से छह एकड़ भूमि और घर नदी में विलीन

» कटाव की रोकथाम के लिए लगाए गए बंबू रोल भी तेज धारा में बहे

मधुबनी सीओ ने दियारा के निचले हिस्सों में रहने वालों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की

बीएनएम@ बगहा

गंडक नदी के जलस्तर में वृद्धि के साथ ही नदी की धार एक बार फिर तेज हो गई है। इसके कारण मधुबनी प्रखंड के रेवहिया गांव में सोमवार की सुबह अचानक तेज कटाव शुरू हो गया। करीब एक घंटे के भीतर नदी ने लगभग 200 मीटर लंबाई में 5 से 6 एकड़ फसल लगी भूमि को अपने आगोश में ले लिया। इस दौरान एक घर भी नदी में विलीन हो गया। अचानक हुए कटाव से ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है। स्थानीय ग्रामीण शिवनाथ यादव, लल्लन यादव, रामधारी चौधरी और मुनीलाल चौधरी ने बताया कि पिछले कुछ समय से नदी का कटाव थम गया था। सोमवार की सुबह गंडक के जलस्तर में वृद्धि के साथ करीब 10 बजे अचानक कटाव शुरू हो गया। देखते ही देखते नदी की तेज धारा ने बड़े भू-भाग को काटना शुरू कर दिया और करीब 11 बजे तक कई एकड़ भूमि नदी में समा गई। ग्रामीणों के अनुसार कटाव की रोकथाम के लिए लगाए गए बंबू रोल भी नदी की तेज धारा में बह गए। ग्रामीणों का कहना है कि कटाव स्थल पर स्थिति लगातार गंभीर बनी हुई है, लेकिन कटावरोधी कार्य कराने के लिए जल संसाधन विभाग का कोई अधिकारी मौके पर मौजूद नहीं है। इससे लोगों में नाराजगी भी बढ़ रही है। ग्रामीणों को आशंका है कि यदि कटाव इसी तरह जारी रहा तो आने वाले समय में गांव की और जमीन व घर इसकी चपेट में आ सकते हैं। इधर, गंडक नदी के जलस्तर में और वृद्धि की संभावना को देखते हुए मधुबनी के अंचलाधिकारी नंदलाल राम ने दियारा क्षेत्र के निचले हिस्सों में रहने वाले लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है। बताया जा रहा है कि नदी का पानी धीरे-धीरे निचले इलाकों की ओर फैल रहा है, जिससे लोगों की परेशानी बढ़ने लगी है। गौरतलब है कि रविवार को वाल्मीकिनगर विधायक सुरेंद्र प्रसाद कुशवाहा ने रेवहिया कटाव स्थल का निरीक्षण किया था। उन्होंने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को युद्धस्तर पर कटावरोधी कार्य कराने का निर्देश दिया था और कटाव पीड़ित परिवारों का हाल जाना था। इसके बावजूद एक दिन बाद दोबारा कटाव शुरू होने से ग्रामीणों में चिंता के साथ आक्रोश भी है। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल प्रभावी कटावरोधी कार्य शुरू कराने की मांग की है।

चार पेटी अंग्रेजी शराब के साथ अधिवक्ता गिरफ्तार

बाइक चालक फरार

बीएनएम@ नवलपुर। नवलपुर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए करीब चार पेटी अंग्रेजी शराब बरामद की। इस दौरान पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया, जिसकी पहचान नवलपुर वार्ड नंबर-07 निवासी ब्रजेश कुमारके रूप में हुई है। गिरफ्तार ब्रजेश कुमार पेशे से अधिवक्ता (वकील) बताया गया है। नवलपुर थाना अध्यक्ष देवेंद्र कुमार ने बताया कि 30अगस्त को गुप्त सूचना मिली थी कि मोटरसाइकिल से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब ले जाई जा रही है। सूचना के सत्यापन के बाद थाना क्षेत्र के गढ़वा गांव से आगे वाहन चेकिंग एवं छापेमारी की कार्रवाई की गई।कार्रवाई के दौरान पुलिस ने एक मोटरसाइकिल से करीब चार पेटी अंग्रेजी शराब बरामद की। पुलिस की कार्रवाई को देखते ही मोटरसाइकिल चालक मौके से भागने में सफल रहा। हालांकि, पुलिस ने फरार चालक की पहचान कर ली है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। वहीं, मौके से ब्रजेश कुमार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

"बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" अभियान के तहत नई पहल की शुरुआत

» प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र हरनाटांड मेंहुआ कार्यक्रम

बीएनएम@ बगहा

अनुमंडल अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हरनाटांड़ में आज से 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान के तहत नई पहल की शुरुआत की गई। अस्पताल में बेटी के जन्म पर उसके माता-पिता को बधाई पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। पहल की शुरुआत प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. केबीएन सिंह ने की। इस दौरान वाल्मीकिनगर विधायक सुरेंद्र प्रसाद कुशवाहा भी मौजूद रहे।प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. केबीएन सिंह ने बताया कि इस पहल के तहत पीएचसी हरनाटांड़ और शहरी पीएचसी बगहा-2 में बेटी को जन्म देने वाले माता-पिता को सम्मान पत्र देकर बधाई दी जाएगी। इसका उद्देश्य समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना है। अस्पताल में बेटी के जन्म को उत्सव के रूप में मनाकर लोगों को यह संदेश दिया जाएगा कि बेटी परिवार के लिए बोझ नहीं, बल्कि सम्मान और खुशियों का कारण है।विधायक सुरेंद्र प्रसाद कुशवाहा ने कहा कि आज भी समाज के कुछ हिस्सों में बेटे और बेटी के बीच भेदभाव किया जाता है, जो गलत है। बेटियां शिक्षा, खेल, प्रशासन, चिकित्सा और अन्य क्षेत्रों में अपनी पहचान बना रही हैं। स्वास्थ्य केंद्र की यह पहल बेटियों के प्रति समाज में सकारात्मक संदेश देने का काम करेगी।कार्यक्रम में चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. राजेंद्र काजी, युवा विधायक प्रतिनिधि बिट्टू काजी, थारू महासंघ के महामंत्री राजकुमार महतो, अशोक महतो, प्रेमनाथ काजी, हरिहर महतो, पप्पू खतईत समेत अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

घाटकोसुम्भा क्षेत्र में जलजमाव की समस्या गंभीर : एमएलसी ललन कुमार

बीएनएम@ शेखपुरा

विधान परिषद सदस्य ललन कुमार रविवार को अपने निजी कार्यक्रम के तहत शेखपुरा सदर प्रखंड के माफो गांव पहुंचे। गांव पहुंचने पर ग्रामीण प्रीतूयंजय कुमार एवं अन्य ग्रामीणों ने गाजे-बाजे के साथ फूल-मालाओं से उनका भव्य स्वागत किया। इस दौरान गांव में उत्साह का माहौल देखने को मिला। एमएलसी ललन कुमार ने कहा कि वे निजी कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के विभिन्न गांवों का दौरा कर विकास कार्यों और स्थानीय समस्याओं का जायजा ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि भ्रमण के दौरान जहां भी विकास कार्यों में कमी या आम लोगों से जुड़ी गंभीर समस्याएं सामने आएंगी, उन मुद्दों को मजबूती के साथ विधान परिषद में उठाया जाएगा। उन्होंने विशेष रूप से घाटकोसुम्भा क्षेत्र में जलजमाव की समस्या का जिक्र करते हुए कहा कि यह एक गंभीर मुद्दा है और इसे सरकार के समक्ष प्रभावी ढंग से रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि हरोहर नदी के एक छोर पर स्थित लखीसराय जिले के लोगों को योजनाओं और सुविधाओं का लाभ मिल रहा है, जबकि दूसरी ओर स्थित घाटकोसुम्भा क्षेत्र अपेक्षित लाभ से वंचित है। यदि घाटकोसुम्भा क्षेत्र निर्धारित मानकों को पूरा करता है तो वहां के लोगों को भी समान लाभ दिलाने के लिए प्रयास किया जाएगा। वहीं लोजपा सुप्रीमो चिराग पासवान और पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के बीच आरक्षण को लेकर चल रही बयानबाजी पर एमएलसी ने कहा कि आरक्षण का लाभ वास्तविक जरूरतमंद और गरीब लोगों को मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि हर जाति में गरीब लोग हैं, इसलिए आरक्षण की व्यवस्था गरीबी और जरूरत के आधार पर होनी चाहिए। हालांकि उन्होंने दोनों नेताओं की व्यक्तिगत बयानबाजी पर अधिक टिप्पणी करने से परहेज किया।

विद्यार्थी परिषद का प्रतिनिधिमंडल केंद्रीय गृह राज्यमंत्री से मिला

बीएनएम@ समस्तीपुर

जी एम आर डी महाविद्यालय मोहनपुर में शैक्षणिक एवं आधारभूत सुविधाओं के विस्तार सहित विद्यार्थियों से जुड़ी विभिन्न मांगों को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कॉलेज इकाई अध्यक्ष आदर्श कुमार के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय से उनके आवास पर पुनः मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने महाविद्यालय की विभिन्न समस्याओं एवं विकास से संबंधित मांगों को प्रमुखता से मंत्री के समक्ष रखते हुए शीघ्र समाधान की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने महाविद्यालय में वाणिज्य, स्नातकोत्तर एवं बीएड की पढ़ाई शुरू कराने, विद्यार्थियों की बढ़ती संख्या एवं आवश्यकताओं को देखते हुए 20 कमरों वाले नए भवन का निर्माण, निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए बड़े जनरेटर की व्यवस्था तथा महाविद्यालय के मुख्य द्वार पर भव्य, सुरक्षित एवं सुविधायुक्त गेट का निर्माण कराने की मांग रखी। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने कहा कि महाविद्यालय में आवश्यक शैक्षणिक एवं आधारभूत सुविधाओं के विस्तार से विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक माहौल मिलेगा। साथ ही, वाणिज्य, स्नातकोत्तर एवं बीएड जैसे पाठ्यक्रमों की पढ़ाई शुरू होने से क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए दूर जाने की आवश्यकता कम होगी और स्थानीय स्तर पर शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे।केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने प्रतिनिधिमंडल की मांगों को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए सभी बिंदुओं पर शीघ्र आवश्यक कार्रवाई कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने विद्यार्थियों के हित में महाविद्यालय के विकास एवं शैक्षणिक सुविधाओं के विस्तार को लेकर सकारात्मक पहल का भरोसा दिलाया।इस मौके पर आशीष कुमार, छोटू कुमार सहित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के करीब आधा दर्जन सदस्य मौजूद थे।अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने कहा कि विद्यार्थियों के हित एवं महाविद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए संगठन का प्रयास निरंतर जारी रहेगा। प्रतिनिधिमंडल ने उम्मीद जताई कि मंत्री के आश्वासन के बाद महाविद्यालय की लंबित मांगों पर जल्द सकारात्मक कार्रवाई होगी।

उर्दू विभाग की तीन छात्राओं ने यूजीसी-नेट परीक्षा में लहराया सफलता का परचम

बीएनएम@ बेगूसराय

उर्दू विभाग, जी.डी. कॉलेज, बेगूसराय की तीन छात्राओं ने यूजीसी-नेट परीक्षा उत्तीर्ण कर अपने विभाग, कॉलेज, गाँव, शहर और पूरे समाज का नाम रोशन किया है। सफल होने वाली छात्राओं में सैयदा सारिया शाहीन (पपरौर), आयशा नाज़ (लरूवाड़ा) और आशिया परवीन (कारीचक, बेगूसराय) शामिल है। उल्लेखनीय है कि आशिया परवीन पिछले वर्ष ही यूजीसी-नेट उत्तीर्ण कर चुकी थी। इस बार उन्होंने जेआरएफ प्राप्त करने की उम्मीद के साथ नेट की परीक्षा दी। हालांकि कुछ अंकों के मामूली अंतर से वे जेआरएफ प्राप्त करने से चूक गईं। सैयदा सारिया शाहीन और आयशा नाज़ ने लगातार मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प के साथ अपनी तैयारी जारी रखी और अंततः यूजीसी-नेट उत्तीर्ण करने में सफल रहीं। सारिया शाहीन ने अपनी इस सफलता का श्रेय विशेष रूप से अपने पिता अबू नसर और माता शाइदा शाहीन की दुआओं, त्याग और निरंतर सहयोग को दिया।तीनों छात्राओं की इस सफलता पर उर्दू विभाग के शिक्षकों ने खुशी और प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रकट की। इस अवसर पर उर्दू विभाग की अध्यक्ष डॉ. सहर अफ़रोज़ ने कहा कि हमारी बेटियां अपनी मेहनत, प्रतिभा और दृढ़ संकल्प के बल पर उच्च मुकाम हासिल कर रही हैं, जो पूरे विभाग और कॉलेज के लिए गर्व की बात है। ।

भामाशाह और श्रीकृष्ण सिंह की प्रतिमा पर गरमाई सियासत

» गिरिराज सिंह को दी सरकार गिराने की धमकी

दलित-महादलित समुदाय के नेताओं ने मशाल जुलूस निकाला

बीएनएम@ बेगूसराय

बिहार केशरी डॉ. श्रीकृष्ण सिंह यानी श्री बाबू की प्रतिमा स्थापना को लेकर बेगूसराय में सियासी तापमान बढ़ते नजर आ रही है। श्री बाबू की प्रतिमा स्थापित करने की मांग को लेकर रविवार की शाम दलित-महादलित समुदाय के नेताओं और समर्थकों ने विशाल मशाल जुलूस निकाला। हाथों में मशाल और श्री बाबू के समर्थन में नारे लगाते हुए बड़ी संख्या में लोग सड़क पर उतरे। जुलूस के दौरान नेताओं ने कहा कि श्रीकृष्ण सिंह केवल एक नेता नहीं, बल्कि बिहार के गौरव और बेगूसराय की पहचान है। ऐसे में बेगूसराय में श्री बाबू की भव्य प्रतिमा स्थापित होना सम्मान और गौरव का विषय है। मशाल जुलूस में शामिल नेताओं ने श्रीकृष्ण सिंह की प्रतिमा स्थापना को लेकर सरकार और प्रशासन से जल्द पहल करने की मांग की।इस दौरान नेताओं ने भामाशाह की प्रतिमा स्थापना को लेकर भी सवाल उठाए। उनका कहना था कि किसी भी महापुरुष के सम्मान का वे विरोध नहीं करते, लेकिन बिहार के लिए श्रीकृष्ण सिंह का योगदान भी उतना ही महत्वपूर्ण है।नेताओं ने कहा कि यदि भामाशाह की प्रतिमा राजस्थान में स्थापित की जाती है तो उसका अपना ऐतिहासिक और सामाजिक संदर्भ है, लेकिन बिहार की धरती पर श्री बाबू के सम्मान को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। उन्होंने भामाशाह की प्रतिमा स्थापित करने के संदर्भ में स्थानीय सांसद गिरिराज सिंह द्वारा लिखे गए पत्र के विरोध में उन्हें खुलेआम सरकार गिराने की धमकी दी है।उन्होंने मांग की कि बेगूसराय में प्रमुख स्थान पर श्री बाबू की भव्य प्रतिमा स्थापित की जाए, ताकि आने वाली पीढ़ियां उनके योगदान और विचारों से परिचित हो सके।

15 सवालों पर विश्वविद्यालय- कॉलेज प्रशासन घिरा

» छात्रों का अनिश्चितकालीन धरना शुरू

प्राचार्य पर हाथापाई और मोबाइल तोड़ने का आरोप

बीएनएम@ शेखपुरा

छात्रों के रिजल्ट में गड़बड़ी, गलत तरीके से अनुपस्थित किए जाने और विभिन्न मदों में कथित अनावश्यक शुल्क वसूली के खिलाफ छात्रों ने मोर्चा खोल दिया है। छात्र नेताओं ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि जब तक उनकी जायज मांगों का समाधान नहीं होगा, तब तक अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन जारी रहेगा। छात्रों ने 15 प्रमुख सवालों के साथ प्रशासन को घेरा है। उनका आरोप है कि Semester-1 से Semester-5 तक कई छात्रों का रिजल्ट क्लियर नहीं हुआ है, बावजूद इसके अगली परीक्षाएं ली जा रही हैं। परीक्षा देने के बावजूद छात्रों को अनुपस्थित दिखाने, कम अंक देने, रिजल्ट सुधार के नाम पर 700, बोनाफाइड सर्टिफिकेट के लिए 100, करैक्टर सर्टिफिकेट के लिए 100, इंटर्नशिप के नाम पर 800 तथा अन्य शुल्क वसूलने पर छात्रों ने सवाल उठाए। छात्रों ने आरोप लगाया कि चार साल का कोर्स पूरा करने में 6-7 साल लग रहे हैं, जिससे उनका भविष्य प्रभावित हो रहा है।आंदोलन में छात्र नेता आलोक यादव, बिट्टू कुमार, रंजन कुमार, शिवम कुमार, अंजली कुमार, चांदनी कुमारी, अश्मिता कुमारी, सान्या मल्लिक और शैका मल्लिक समेत दर्जनों छात्र-छात्राएं मौजूद थे। छात्रों का आरोप है कि आंदोलन के दौरान प्राचार्य ने पहले हाथापाई की और वीडियो बनाने के दौरान मोबाइल तोड़ दिया। साथ ही पुलिस बुलाकर छात्रों को जबरन हटाने का प्रयास किया गया। छात्रों ने कहा—अब सवाल नहीं, जवाब चाहिए; छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बंद होना चाहिए।

संदेह और एतराज

बीते कुछ वर्षों में अचानक ऐसा क्या हो गया, जिससे भारतीय खाद्य पदार्थ दुनिया में संदेह और एतराज का निशाना बनने लगे हैं? इस प्रश्न का उत्तर जानने के लिए अपने अंदर झांकना होगा।

इस शिकायत में सच्चाई हो सकती है कि भारत से खराब संबंधों के कारण ने चीन ने जेनेटिकली मॉडिफाइड होने का आरोप लगाकर भारतीय चावल की कुछ किस्मों का आयात रोका है। मगर, यही बात जापान के भारतीय आमों का आयात रोकने या कई देशों के भारतीय मसालों का आयात रोकने/ घटाने को लेकर नहीं कही जा सकती। वैसे, गुजरे चार वर्षों में मिलावट और गुणवत्ता संबंधी शिकायतों के कारण भारतीय दवाओं पर भारतीय दवाओं के निर्यात पर भी खराब असर पड़ा है। इस दौरान अमेरिका और अफ्रीका के कई देशों ने भारतीय दवाओं की खेप को वापस भेजा या आयात रोक दिया, जिससे भारत की "फार्मेसी ऑफ द वर्ल्ड" वाली छवि को चुनौती मिली। हालांकि, जापान भारतीय आम का सबसे बड़ा खरीदार नहीं था, लेकिन आम उत्पादकों के मुताबिक उसके प्रतिबंध से दुनिया में बहुत खराब संदेश गया है, जिसका असर आने वाले वर्षों में पड़ सकता है।

इसका कारण जापान का विकसित देश होना और उसके परीक्षण प्रतिमानों की ऊंची छवि है। बहरहाल, मुद्दा है कि बीते कुछ वर्षों में अचानक ऐसा क्या हो गया, जिससे भारतीय उत्पाद दुनिया में संदेह और एतराज का निशाना बनने लगे? इस प्रश्न का उत्तर जानने के लिए अपने अंदर झांकना जरूरी है। विशेषज्ञ भारत के कृषि उत्पादों की प्रमाणन व्यवस्था और विकसित देशों के खाद्य सुरक्षा प्रतिमानों के बीच बढ़ती गई खाई की ओर इशारा करते रहे हैं। वहां प्रतिमान समय के साथ विकसित हुए। खासकर कोविड-19 महामारी के बाद अनेक बाजारों में इन पर अधिक ध्यान दिया जाने लगा है। लेकिन इस दौर में भारत में परीक्षण और प्रमाणन की व्यवस्थाओं को उन्नत नहीं किया गया। जबकि थाईलैंड, वियतनाम, ब्राजील, चिले आदि जैसे अनाज निर्यातकों ने अंतरराष्ट्रीय बाजार की मांगों के अनुरूप अपने यहां प्रमाणन व्यवस्था बेहतर करने में जरूरी निवेश किया। उन्होंने उत्पादों के जीएमओ मुक्त होने के अधिक विश्वसनीय सर्टिफिकेशन के इंतजाम किए। नतीजतन, भारत की कीमत पर उन देशों के उत्पाद बाजार हासिल कर रहे हैं। दूसरी तरफ भारत में औद्योगिक उत्पादों के निरीक्षण की व्यवस्था अधिक कमजोर एवं भ्रष्टाचार ग्रस्त हुई है। उसका नतीजा अब भुगतना पड़ रहा है।

पितृसत्तामकता पर प्रहार एवं उसका पोषणः भारतीय समाज की दो परस्पर विपरीत प्रवृत्तियां

राम पुनियानी

औपनिवेशिक काल से पहले के भारत में हिन्दू समुदाय अधिकांशतः मनुस्मृति के नियमों के अनुसार ही संचालित होता था, जिसका केन्द्रीय मूल्य था जाति एवं लिंग आधारित पदानुक्रम. औपनिवेशिक काल में शिक्षा, परिवहन के साधन एवं आधुनिक प्रशासनिक ढ़ांचा विकसित हुए और लोकतंत्र के बीज पड़े। ये बदलाव धर्मनिरपेक्ष राष्ट्रवाद की धारणा के अनुरूप थे, जिसके विभिन्न तत्व थे कामगारों के अधिकारों के लिए संघर्ष, शिक्षा एवं उसके जरिए दलितों व महिलाओं का सशक्तिकरण और धर्म, जाति, भाषा और लिंग की सीमाओं के परे सभी की एकसमान नागरिकता की अवधारणा। इन सारी प्रक्रियाओं के खिलाफ खड़े थे कुलीन, जमींदार और पुरोहित वर्ग। जहां मोटे तौर पर लोकतांत्रिक प्रवृत्तियों का प्रतिनिधि भगत सिंह, अम्बेडकर और गांधी को माना जा सकता है वहीं इनके विरोधियों का प्रतिनिधित्व कर रहे थे मुस्लिम लीग, हिन्दू महासभा और आरएसएस।

लोकतांत्रीकरण की जद्दोजहद में शामिल थे कामगारों के अधिकार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, आजादी के लिए आंदोलन और दलितों और महिलाओं को शिक्षा प्राप्त करने का अवसर। जहां तक स्त्री शिक्षा की बात है, इसकी शुरूआत जोतिबा फुले, सावित्रीबाई फुले और फातिमा शेख ने की। सावित्रीबाई फुले और फातिमा शेख को अपना लक्ष्य हासिल करने के लिए कैसी-कैसी कठिनाईयों से जूझना पड़ा, यह जगजाहिर है। अंबेडकर के संघर्ष में महिलाओं की अच्छी-खासी भागीदारी थी और गांधीजी के नेतृत्व में चले राष्ट्रीय आंदोलन में भी महिलाओं ने बड़े पैमाने पर हिस्सा लिया था। इसके विरोधी कुलीन वर्गो ने इन सारी प्रक्रियाओं का विरोध किया, साथ ही इनके संगठन - मुस्लिम लीग और आरएसएस - मुख्यतः केवल पुरूषों के संगठन थे। हमारे संविधान में पुरूषों एवं स्त्रियों को समान अवसर और समान दर्जा देने का जो प्रावधान किया गया, वह अत्यंत उपयुक्त है। जहां मुस्लिम लीग की विचारधारा के कारण पाकिस्तान में तबाही हुई, वहीं भारत में महिलाओं की समानता का सबसे प्रमुख विरोधी संगठन आरएसएस था। जब 1936 में लक्ष्मीबाई केलकर ने आरएसएस सरसंघचालक से महिलाओं को आरएसएस का सदस्य बनाए जाने का सुझाव दिया, तो उन्होंने इसे खारिज करते हुए उनसे राष्ट्र सेविका समिति की स्थापना करने को कहा। यहां यह ध्यान देने योग्य है कि महिलाओं के संगठन के नाम - राष्ट्र सेविका समिति - में से 'स्वयं' शब्द गायब है। इसमें यह स्पष्ट संकेत निहित है कि महिलाओं को पुरूषों के अधीन रहना होगा। आरएसएस ने इस आधार पर भारतीय संविधान का भी विरोध किया कि इसमें गौरवशाली अतीत के मूल्यों को स्थान नहीं दिया गया है। अतीत के गौरवशाली मूल्यों से उनका आशय मनुस्मृति के मूल्यों से था इसमें कोई संशय नहीं है। आरएसएस हिन्दू कोड बिल के मूल प्रावधानों के पूर्णतः खिलाफ था जिसमें पिता की संपत्ति में महिलाओं को बराबरी का अधिकार दिया गया था। यह सारी बातें इसलिए मन में कौंध रही हैं क्योंकि राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम (23 अगस्त 2026) को पुणे में केवल लड़कियों के लिए आयोजित किया गया था। हमारी आजादी के बाद के शुरूआती दशकों में महिलाओं और लड़कियों की समानता का लक्ष्य हासिल करने की दिशा में बहुत से कदम उठाए गए लेकिन उसी काल में विभिन्न तरीकों से हिन्दू राष्ट्रवादी विचारधारा को प्रबल करने के प्रयास भी हुए। इसका एक औजार थी गीता प्रेस, जिसने मनुस्मृति पर आधारित पुस्तकों का प्रकाशन दसियों लाख प्रतियों में किया। इस विचारधारा के बहुत से अन्य संगठनों ने अपनी कथनी और करनी के जरिए भी इस दिशा में कार्य किया। हमें याद है कि रूपकुंवर को उनके पति की चिता पर जिंदा जला दिया गया था। जहां ज्यादातर समूहों, संगठनों एवं राजनैतिक दलों ने इस त्रासद घटना की निंदा की थी, जो पूर्णतः उचित था, वहीं भाजपा की तत्कालीन उपाध्यक्ष विजयाराजे सिंधिया संसद भवन तक एक जुलूस लेकर गईं जिसमें सती को एक गौरवशाली भारतीय परंपरा और महिलाओं का अधिकार बताने वाले नारे लगाए जा रहे थे। इसका दिलचस्प पहलू यह है कि उन्होंने स्वयं अपने पति की मौत के बाद इस अधिकार का इस्तेमाल नहीं किया! इसी तरह भाजपा महिला मोर्चा की पूर्व प्रमुख मृदुला सिन्हा ने सेवी पत्रिका के अप्रैल 1994 के अंक में प्रकाशित एक साक्षात्कार में कहा था कि महिलाओं को घर के बाहर जाकर काम नहीं करना चाहिए, जब तक कि ऐसा करना एकदम जरूरी न हो। उन्होंने पत्नियों के साथ मारपीट किए जाने और दहेज प्रथा को भी सही ठहराया था। पुणे के आयोजन में राहुल गांधी ने महिलाओं की बातें सुनीं, जिन्होंने अपनी सुरक्षा, शिक्षा हासिल करने और स्वयं से जुड़े फैसले खुद लेने की राह में आने वाली बाधाओं, विभिन्न सामाजिक दबावों और एक पूर्ण नागरिक का जीवन जीने की राह में चुनौतियों की चर्चा की। राहुल गांधी ने इस कार्यक्रम को समाज सुधार के आह्वान में बदल दिया। यह महिलाओं की समानता के पक्ष में सामाजिक प्रक्रियाओं को मोड़ने का एक बड़ा प्रयास था। इस दिशा में संघर्षरत महिला समूहों को इस कार्यक्रम के भाव और संदेश से बहुत मदद मिलेगी। आज के भारत में संघ परिवार न केवल भारतीय संविधान के मूल्यों को कमजोर करने का प्रयास कर रहा है बल्कि महिलाओं एवं दलितों के संबंध में प्रतिगामी सामाजिक सोच को भी बढ़ावा दे रहा है। जहां उसके द्वारा ईसाईयों और मुसलमानों के खिलाफ फैलाई जा रही नफरत साफ नजर आती है वहीं वह महिलाओं के संबंध में मनुस्मृति के मूल्यों को तरजीह देने में जुटा हुआ है, जिसकी चर्चा पुणे के कार्यक्रम में हुई। राहुल गांधी ने इसके तीन स्पष्ट उदाहरण दिए। पहला, डॉ. मोहन भागवत का वह वक्तव्य जिसमें उन्होंने कहा था कि दुष्कर्म इंडिया में होते हैं भारत में नहीं। स्पष्टतः भारत से उनका आशय ग्रामीण क्षेत्रों से था, जो संविधान के मूल्यों की ओर ले जाने वाली प्रक्रियाओं से अपेक्षाकृत अप्रभावित रहे हैं। वे दलित और आदिवासी महिलाओं के साथ होने वाली दुष्कर्म की घटनाओं से अनजान होने का दिखावा कर रहे थे। इसी तरह केन्द्रीय मंत्री मनोहरलाल खट्टर के मुताबिक 70 प्रतिशत दुष्कर्मों के लिए महिलाएं ही जिम्मेदार होती हैं! इस गिरोह के नेता तो नरेन्द्र मोदी हैं ही। हाल में उन्होंने इस बात पर चिंता जाहिर की कि जंतर मंतर आंदोलन के दौरान लड़कियों ने गालियां बकीं। यदि लड़के ऐसा करें, तो इसमें उनकी नजर में कुछ भी गलत नहीं है। जिस तरह उन्होंने महिला पहलवानों की दुर्दशा के प्रति उपेक्षापूर्ण रवैया अपनाया, वह अत्यंत घृणित था। राहुल गांधी ने हिन्दू राष्ट्रवादियों की विचारधारा के केन्द्रबिन्दु का खुलासा करके बिल्कुल ठीक किया। उन्होंने सही कहा कि संघ परिवार मनुस्मृति का अनुमोदन करता है जिसके अनुसार लड़की को बचपन में अपने पिता, वयस्क होने पर पति और विधवा हो जाने पर अपने पुत्र के नियंत्रण में रहना होगा। राहुल गांधी का यह कथन एकदम सही था कि लड़कियों का अपना 'सेल्फ' होना चाहिए जिसकी कार्यक्रम में उपस्थित लड़कियों ने सराहना की। यह कार्यक्रम महिलाओं की समानता के लिए चल रहे संघर्ष में एक मील का पत्थर बनना चाहिए। कार्यक्रम का संदेश बड़ा एवं स्पष्ट है। इसमें लड़कियों के अरमानों को अत्यंत बेबाकी से बयां किया गया। 'राजनैतिक' शब्द के सामान्य मायनों से अलग रहते हुए, राहुल गांधी ने गहन सामाजिक स्तर पर अपना पक्ष रखा और उस सामाजिक ढांचे के बारे में बात की जिसे महिलाओं की समानता की खातिर संघर्ष के जरिए बदला जाना होगा। लड़कियों ने यह विचार भी व्यक्त किया कि वे आजादी, गरिमा और समानता से रह सकें, इसके लिए लड़कों को भी बदलना होगा। वे मानव जाति का आधा हिस्सा हैं, आधा भारत हैं, जिसे हिन्दू राष्ट्रवादी मानसिकता ने जकड़ा हुआ है। इसमें बदलाव लाना और भारतीय संविधान के मूल्यों को सशक्त करना जरूरी है। यह एक और वजह है कि जिसके कारण संघ परिवार के बढ़ते प्रभुत्व को चुनौती दी जानी चाहिए।

(अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हरदेनिया। लेखक आईआईटी मुंबई में पढ़ाते थे और सेंटर फॉर स्टडी ऑफ सोसाइटी एंड सेकुलरिज्म के अध्यक्ष हैं) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

शरीर फूल गया लेकिन उसमें ताकत नहीं बची

हरिशंकर व्यास

भारतीय जनता पार्टी कभी आंदोलन करने वाली पार्टी थी। जब उसके दो सांसद थे तब उसने देश भर में राममंदिर का आंदोलन खड़ा किया था। यह उसके संगठन की ताकत थी और उसके बड़े नेताओं की वैचारिक व सांगठनिक ईमानदारी थी कि पार्टी इतना बड़ा आंदोलन खड़ा कर पाई। भाजपा के संगठन के लिहाज से कहें तो नब्बे का दशक उसका स्वर्णिम समय था। एक तरफ राममंदिर का आंदोलन चल रहा था और दूसरी ओर जब उसके काउंटर में मंडल का आंदोलन शुरू हुआ तो उसमें भी भाजपा ने अपने समर्थक समूहों को आंदोलित करके मंडल के खिलाफ भी एक व्यापक नैरेटिव बनाया था। मंदिर आंदोलन और मंडल विरोधी आंदोलन ने भाजपा को इतना ताकतवर बनाया कि नब्बे के दशक में उसने तीन बार सरकार बनाई। पहले 13 दिन की, फिर 13 महीने की और फिर पांच साल की।

भाजपा उस समय विचारधारा वाली पार्टी थी। चाल, चेहरे और चरित्र की बात करती थी। भाजपा को पार्टी विद डिफरेंस कहा जाता था। लगातार छह साल तक सत्ता में रहने के बाद भी भाजपा का वह चरित्र काफी हद तक बचा हुआ था। उसका जीवंत संगठन था और कई बार सरकार के साथ संगठन का भी टकराव हुआ। भाजपा और संघ के संगठन जैसे भारतीय मजदूर संघ, स्वदेशी जागण मंच आदि सरकार पर दबाव बनाए रखते थे।

अब पिछले 12 सालों में क्या हुआ? भाजपा, उसके अनुषंगी संगठन और संघ के संगठनों की आंदोलन की क्षमता लगभग समाप्त है। वह किसी भी तरह के आंदोलन को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से प्रभावित नहीं कर पा रही है। अब सब कुछ सरकार के भरोसे है। संगठन के लोग आराम से बैठे हैं कि सब सरकार देख लेगी। सरकार कैसे देख लेगी! सरकार के पास एजेंसियां हैं। ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स, एनआईए आदि एजेंसियां हैं और उससे भी ऊपर न्यायपालिका है।

याद करें कैसे 2011 और 2012 में दिल्ली में आंदोलन हुए थे। उस समय तक भाजपा और संघ की आंदोलन को प्रभावित करने की क्षमता थी। तभी चाहे वह आंदोलन अरविंद केजरीवाल और अन्ना हजारे का हो या बाबा रामदेव का हो या निर्भया कांड के विरोध में हुआ आंदोलन हो, हर आंदोलन के दौरान कांग्रेस और उसकी सरकार परेशान हुई। यह आरोप लगाया कि भाजपा व संघ इन आंदोलन को बढ़ा रहे हैं। यह बात काफी हद तक सही थी कि सीधे आंदोलनों में शामिल होकर उनका नेतृत्व करने की बजाय भाजपा और संघ ने उस समय के जन आक्रोश को परदे के पीछे से एक दिशा दी और उसका राजनीतिक लाभ लिया। आज भाजपा और संघ या कांग्रेस राज के समय इनके द्वारा तैयार किए गए गुरू और प्रवचनकर्ता, कोई भी आंदोलन खड़ा करने में अक्षम हैं।

उलटे भाजपा और संघ के संगठनों की ताकत इतनी कम हो गई है कि सरकार के खिलाफ होने वाले किसी आंदोलन के समानांतर न तो कोई दूसरा आंदोलन कर पाए और न उसे डिफ्यूज कर पाए। नरेंद्र मोदी और अमित शाह दोनों समझ रहे हैं कि चुनाव जीत रहे हैं तो बाकी चीज की कोई जरुरत नहीं है। उनको यह भी लग रहा है कि उन्होंने भाजपा को दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बना दी तो अब क्या करना है। लेकिन सबसे बड़ी पार्टी में कोई दम नहीं दिख रहा है। ऐसा सग रहा है कि पार्टी का शरीर फूल गया लेकिन उसमें ताकत नहीं बची है।

सोचें, सरकार में आने के बाद से नरेंद्र मोदी को कितनी बार आंदोलकारियों ने झुकाया! यूपीए सरकार के समय के भूमि अधिग्रहण कानून को बदलने का कानून नरेंद्र मोदी की सरकार लेकर आई थी। लेकिन इतना आंदोलन हुआ कि सरकार को कानून वापस लेना पड़ा। ऐसे ही कृषि कानून मोदी सरकार ने बनाए थे और कहा था कि इससे किसानों की किस्मत बदल जाएगी। एक साल तक आंदोलन करके किसानों तीनों कानून वापस कराए। राष्ट्रीय टीवी पर माफी मांगते हुए प्रधानमंत्री ने कानून वापस लिया। सरकार और भाजपा के नेता कहते थे कि इस सरकार में इस्तीफा नहीं होता है। लेकिन जंतर मंतर पर प्रदर्शन करके छात्रों ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा कराया।

यह सब इसलिए हुआ क्योंकि सरकार के पास नैतिक बल नहीं है और संगठन की शक्ति नहीं है। अगर संगठन और विचारधारा बची रहती तो पेपर लीक होने और परीक्षा में गड़बड़ी होने पर संघ का छात्र संगठन और भाजपा का युवा संगठन भी आंदोलित होता। वह कॉकरोच जनता पार्टी को आंदोलन का स्पेस नहीं लेने देता। लेकिन सारे छात्र व युवा नेता इस अति आत्मविश्वास में बैठे रहे कि सरकार सब संभाल लेगी। माना गया कि पुलिस लाठी चला कर छात्रों को भगा देगी और कुछ नहीं होगा। सोचें, एक समय भाजपा स्वंय बड़े आंदोलन खड़े करती थी या हर लोकप्रिय आंदोलनों के पीछे उसका किसी न किसी रूप में हाथ होता था। लेकिन अब उसकी सरकार के खिलाफ राष्ट्रव्यापी आंदोलन हो जा रहा है, किसान और छात्र व युवा उसे सरकार को झुकाने का माध्यम बना रहे हैं और भाजपा का मुख्य संगठन या उसके दर्जनों अनुषंगी संगठनों को जंग लग गई है। वे कुछ नहीं कर पा रहे हैं। गैर भाजपा शासित राज्यों में भी परीक्षा के पेपर लीक हो रहे हैं या परीक्षा में धांधली हो रही है लेकिन भाजपा और उसके संगठन वहां आंदोलन खड़ा नहीं कर पा रहे हैं।

मेष राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। ऑफिस में आज किसी बड़े काम की जिम्मेदारी आपके कंधों पर आ सकती है। आज सामने आई सभी चुनौतियों का डटकर मुकाबला करेंगे तो सफलता भी हाथ लगेगी। इस राशि के लोग आज जीवनसाथी के साथ मूवी देखने का प्लान बना सकते हैं। आज अपनी काबिलियत से काम को सरलतापूर्वक पूरा कर लेंगे। ड्राई क्लीनर्स वालों के लिए आज का दिन फायदा देने वाला है।

वृष राशिः आज का दिन बेहतर होगा। व्यापार को बढ़ाने से धन लाभ में काफी इजाफा होगा। किसी काम को करने में आज जल्दबाजी करने से बचें। किसी जरूरी काम के पूरा होने पर बधाइयां देने के लिए लोगों का आवागमन लगा रहेगा। अगर पहले किसी रिश्तेदार से अनबन हुई है तो आज रिश्तों में सुधार लाने के लिए दिन अच्छा है।

मिथुन राशिः आज जिस काम को पूरा करना चाहेंगे वह आसानी से पूरा हो जाएगा। शाम तक घरेलू सामान खरीदने के लिए मार्केट भी जा सकते हैं। जाते समय जेब में थोड़े ज्यादा पैसे लेकर जाएं क्योंकि आज खर्च बढ़ सकता है। बिजनेस के सिलसिले में आज किसी से जरूरी मीटिंग हो सकती है। परिवार के साथ घर पर डिनर का प्लान बन सकता है। प्राइवेट ऑफिस में काम करने वालों का आज प्रमोशन हो सकता है।

कर्क राशिः आज तकदीर आपके साथ रहेगी। जिस काम को कई दिनों से पूरा करने की सोच रहे हैं वह आज किसी दोस्त की मदद से पूरा हो जाएगा। आज किसी दूसरे के मामले में राय देने से बचें। आज दूसरों से बात करते समय सही भाषा का प्रयोग करें। अगर आज पहले से ली हुई जमीन को बेचना चाह रहे हैं तो आपको इससे काफी फायदा हो सकता है। स्वास्थ्य के प्रति आज आपको सतर्क रहना होगा।

सिंह राशिः आज का दिन अच्छा रहने वाला है। बिजनेस में रोज की अपेक्षा ज्यादा फायदा होने वाला है। नौकरी कर रहे लोगों को इंक्रीमेंट मिलेगा। स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन काफी बढिया रहेगा। पढ़ाई-लिखाई में मन लगेगा साथ ही किसी इंटरव्यू में जा रहे हैं तो पूरे आत्मविश्वास के साथ बात करें, सफलता जरूर मिलेगी।

कन्या राशिः आज का दिन बेस्ट है। कई दिनों से आपकी तरक्की में आ रही रुकावटें आज दूर हो जाएंगी। इस राशि के बिल्डर्स को आज धन लाभ होगा साथ ही नया कॉन्ट्रैक्ट भी मिल सकता है। कारोबारियों को लाभ मिल सकता है। पहले से बनाई हुई योजनाएं आज पूरी हो जाएंगी। परिवार में आज सुख-शांति का माहौल बना रहेगा।

तुला राशिः आज आपकी अंदरूनी ताकत कार्यक्षेत्र में दिन को बेहतर बनाने में मददगार साबित होगी। आज उन लोगों से सावधान रहें जो आपको गलत राह पर ले जाने की सोचते हैं। बढ़ी हुई ऊर्जा के साथ आप कोई कार्य करेंगे तो कम समय में पूरा हो जाएगा। जीवनसाथी के जीवन में बदलाव आने से खुशी का माहौल बनेगा।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। आज प्रॉपर्टी में निवेश करने के लिए दिन शुभ है। आज धार्मिक कार्यों में जीवनसाथी के साथ जाने का मन बनाएंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतर है। ऑफिस में आज किसी बात को लेकर बॉस आपसे मीटिंग करेंगे। आज ज्यादा क्रोध करने से आपका काम बिगड़ सकता है।

धनु राशिः आज का दिन सामान्य रहेगा। आज वैवाहिक जीवन में नई-नई खुशियां आएंगी। आज किसी अन्य पर भरोसा न करें। बिजनेस में साझेदारी सोच-समझकर ही करें साथ ही नई योजनाओं को लागू करने से लाभ होगा। कलात्मक कार्यों में आज आपकी रुचि बढ़ेगी। आज नए प्रोजेक्ट पर काम करने से पहले किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह लेना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। घर में सुख-शांति बनी रहेगी।

मकर राशिः आज ऑफिस में आपका कॉन्फिडेंस देखकर बॉस आपसे खुश हो जाएंगे। अगर आज नए काम को शुरू करेंगे तो आगे चलकर आपको काफी फायदा होगा। नवविवाहित दंपत्ति आज जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने जाएंगे। किसी से भी बात करते समय आज मीठी भाषा का प्रयोग करें।

कुंभ राशिः आज का दिन अच्छा रहेगा। इस राशि के ट्रेवल्स एजेंसी वाले लोगों को आज उम्मीद से अधिक लाभ होने वाला है। अचानक कहीं धन लाभ होने के योग बने हुए हैं। आज किसी करीबी से फोन पर बात हो सकती है। आज घर पर ही परिवार वालों के साथ एंजॉय करेंगे। कला के क्षेत्र में रुझान वालों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा, आपकी पेंटिंग सबको पसंद आएगी। समाज में आपका नाम रोशन होगा।

मीन राशिःइस राशि के प्रॉपर्टी डीलर के लिए आज का दिन फायदा देने वाला है। आज व्यापार में आर्थिक लाभ की संभावना बनी हुई है। आज आपका मन किसी पुराने मित्र से मिलने का करेगा, हो सकता है आज किसी ऐसे मित्र से फोन पर बात हो जिससे पुरानी यादें ताजा हो जाएंगी। दांपत्य जीवन शानदार रहने वाला है।

यह अंग्रेजों को फॉलो करने जैसा

अजीत द्विवेदी

देश में जनगणना का दूसरा चरण शुरू हो गया है। पहले चरण में मकानों की गिनती के बाद अब नागरिकों की गिनती हो रही है। इसकी शुरुआत लद्दाख से हुई है। अभी स्वगणना का दौर चल रहा है और एक सितंबर से सरकारी कर्मचारी लद्दाख के हर घर में जाएंगे। देश के बाकी हिस्सों में नागरिकों की गिनती का काम अगले साल होगा। सरकार ने एक मार्च की आधी रात का समय संदर्भ तिथि के तौर पर तय किया है। उस दिन तक जिन लोगों का जन्म होगा उनकी गिनती होगी। लद्दाख में गिनती शुरू होने के साथ ही एक नए इतिहास की शुरुआत हुई। लद्दाख पहला क्षेत्र बना, जहां 1931 के बाद पहली बार जातियों की गिनती शुरू हुई है। आखिरी बार 1931 में अंग्रेजी राज में जाति जनगणना हुई थी। उसी के आंकड़े के आधार पर आज भी जातियों की संख्या का अनुमान लगाया जाता है। आजाद भारत में पहली बार जाति जनगणना हो रही है और शुरुआत लद्दाख से हुई है।

सो, कायदे से इसका बहुत प्रचार होना चाहिए था। हर छोटी बड़ी चीज को इवेंट में बदलने वाली भाजपा ने इसको अनदेखा कर दिया। कहीं भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, जिनके मंत्रालय में जनगणना का विभाग आता है, ने इसका श्रेय नहीं लिया। चुपचाप जातियों की गिनती शुरू हो गई। तभी इस प्रक्रिया को लेकर संदेह शुरू हुआ। जिस तरह से जाति जनगणना का प्रपत्र बना है उसमें सरकार जातियों की तय सूची नागरिकों को नहीं उपलब्ध करा रही है। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति को छोड़ कर बाकी नागरिकों पर छोड़ा गया है कि वे अपनी जाति बताएं। उनकी बताई जाति को ही जनगणना प्रपत्र में दर्ज किया जा रहा है। कांग्रेस ने इसे लेकर गंभीर सवाल उठाया है। असल में इसे लेकर भाजपा और राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के बीच काफी समय से माथापच्ची चल रही थी। भाजपा और संघ दोनों को अंदाजा हो गया था कि जाति जनगणना व्यापक हिंदू एकता बनाने बनाए रखने में बाधा बन सकती है। संख्या सामने आने के बाद जातियां अपनी पहचान को लेकर ज्यादा मुखर होंगी और उससे राजनीतिक भागीदारी व सत्ता में हिस्सेदारी का संघर्ष और सघन होगा। समानता के नाम पर लाए गए यूजीसी के दिशानिर्देशों का नुकसान भाजपा और संघ दोनों को महसूस हो रहा था। यह भी दिख रहा था कि किस तरह से भाजपा और संघ का सबसे बड़ा समर्थक समूह यूजीसी के बहाने आरक्षण हटाओ का अभियान चला रहा है। एक तरफ आरक्षण बढ़ाने की मुहिम है तो दूसरी ओऱ आरक्षण हटाने की सीधी मांग है। आरक्षण हटाने की मांग करने वाला वर्ग भाजपा का पुराना और सबसे मजबूत समर्थक वर्ग है। इसके अलावा 'जेन जी6 आंदोलन ने भी दिखाया है कि छात्रों और युवाओं को पुरानी पहचान के साथ बांधे रखना संभव नहीं होगा। उनके लिए विचारधारा और दूसरी किसी तरह की प्रतिबद्धता से पहले अपना हित आता है। तभी इस सवाल पर विचार हुआ कि क्या जाति जनगणना उनके हितों को पूरा करेगी? चूंकि अनुसूचित जाति और जनजाति की गिनती पहले से होती रही है। इसलिए उनकी जाति का नाम शामिल करने में कोई समस्या नहीं थी। परंतु पिछड़ा और सामान्य वर्ग की जातियों को दर्ज करने का काम नागरिकों के ऊपर ही छोड़ा गया है। सरकार को अंदाजा था कि जाति गणना भाजपा की राजनीतिक संभावना को कमजोर कर सकती है। परंतु मुश्किल यह थी कि सरकार जाति जनगणना की घोषणा कर चुकी थी और उसकी घोषणा से पहले बिहार, कर्नाटक व तेलंगाना में जाति गणना हो गई है। अगर भाजपा की केंद्र सरकार इससे पीछे हटती तो उसे कांग्रेस की ओर से होने वाले बड़े हमले का सामना करना पड़ता और तब यह आरोप भी लगता कि उसने बहुजनों के हित का ध्यान नहीं रखा। ध्यान रहे इस समय किसी भी प्रादेशिक नेता के मुकाबले राहुल गांधी बहुजन हितों के बड़े चैंपियन है। यह बात भाजपा को परेशान कर रही है। तभी उसे ऐसा रास्ता निकालना था, जिससे सांप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे। सो, उसने जाति जनगणना में जातियों की सूची उपलब्ध नहीं कराने का फैसला किया। असल में सरकार के सामने दो विकल्प थे। पहला विकल्प वह था, जो बिहार सरकार ने जाति गणना में अपनाया था। उसमें बिहार की सभी जातियों की सूची नागरिकों के सामने रखी गई थी और उसमें से चुन कर उनको अपनी जाति बतानी होती थी। बिहार में कुल सवा तीन सौ से कुछ ज्यादा जातियां हैं, जिनकी सूची उपलब्ध कराई गई। अगर सचमुच सरकार गंभीर होती तो बिहार की तरह ही हर राज्य की जाति की सूची नागरिकों के सामने उपलब्ध कराई जाती और लोगों से उसमें से जाति चुनने को कहा जाता। अगर कोई कहता कि उसकी जाति का नाम सूची में नहीं है तो उसके लिए अन्य की एक अलग श्रेणी बनाई जा सकती थी।

दूसरा विकल्प यह था कि जातियों की सूची नहीं दी जाए और नागरिकों को खुद ही जाति बताने को कहा जाए। इस तरीके से 2011 की जनगणना के समय तत्कालीन यूपीए सरकार ने जातीय व सामाजिक गणना कराई थी। इसमें से सरकार ने पहला और ज्यादा वैज्ञानिक विकल्प नहीं चुना। उसने दूसरा विकल्प चुना। सरकार ने नागरिकों पर छोड़ दिया कि वह जाति बताए। इस तरह 2011 में जो जातीय व सामाजिक गणना हुई थी उसका क्या हस्र हुआ वह सबको पता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक उस समय नागरिकों ने 46 लाख के करीब जातियां दर्ज करा दीं।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

दलीप ट्रॉफी : वैभव सूर्यवंशी 92 रन पर आउट, तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ने से चूके

एजेंसी, नई दिल्ली

युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल मुकाबले में इतिहास रचने से चूक गए। सेंट्रल जोन के खिलाफ ईस्ट जोन की ओर से खेलते हुए सूर्यवंशी 81 गेंदों में 92 रन बनाकर आउट हुए। वह प्रथम श्रेणी क्रिकेट में शतक लगाने वाले भारत के दूसरे सबसे युवा बल्लेबाज बनने से महज आठ रन दूर रह गए। 15 साल और 157 दिन की उम्र में सूर्यवंशी के पास सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड पीछे छोड़ने का शानदार मौका था। तेंदुलकर ने 1988 में रणजी ट्रॉफी मुकाबले में 15 साल और 230 दिन की उम्र में अपना पहला प्रथम श्रेणी शतक लगाया था। भारत के सबसे कम उम्र में प्रथम श्रेणी शतक लगाने वाले बल्लेबाज का रिकॉर्ड हालांकि अभी भी ध्रुव पांडोव के नाम है। उन्होंने 1988 में महज 14 साल और 293 दिन की उम्र में शतक लगाया था।

सूर्यवंशी शतक से चूक गए, लेकिन उन्होंने अपनी पारी के दौरान एक नया रिकॉर्ड जरूर अपने नाम किया। वह दलीप ट्रॉफी में अर्धशतक लगाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज बन गए। सूर्यवंशी ने 81 गेंदों की अपनी पारी में आक्रामक बल्लेबाजी की, लेकिन 92 के स्कोर पर हर्ष दुबे की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में अपना विकेट गंवा बैठे। उन्होंने डीप मिडविकेट के ऊपर से गेंद को सीमा रेखा के पार भेजने की कोशिश की, लेकिन वहां तैनात क्षेत्ररक्षक को कैच थमा बैठे। सूर्यवंशी के पास इस पारी के जरिए सचिन तेंदुलकर के करीब 38 साल पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने का मौका था, लेकिन वह शतक से आठ रन दूर रह गए।

एकदिवसीय में जगह नहीं बना पाने के लिए अपने को जिम्मेदार मानते हैं सूर्यकुमार

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और अच्छी तकनीक के बाद भी एकदिवसीय टीम में अपनी जगह पक्की नहीं कर पाये और टी20 तक ही सीमित होकर रह गये। सूर्यकुमार ने अब इसका कारण बताया है। उनका कहना है कि इसके लिए वह स्वयं को ही जिम्मेदार मानते है। इस बल्लेबाज ने कहा है कि एकदिवसीय के लिए जितनी मेहनत करनी चाहिये थी। वह नहीं कर पाये। सूर्यकुमार ने अपने करियर में 37 एकदिवसीय मैचों में खेलते हुए केवल 773 रन बनाए हैं। उन्होंने अंतिम बार

एकदिवसीय मुकाबला 2023 विश्व कप का फाइनल था, जहां सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए वह केवल 18 रन ही बना पाये। उसके बाद वह टीम से बाहर हुए तो वापसी नहीं कर पाये। वहीं अब वह टी20 विश्वकप से भी बाहर हो गये हैं। 30 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखने वाले सूर्यकुमार का मानना है कि अगर उन्हें 2016 के आसपास टीम इंडिया में मौका मिल जाता, तो शायद वे टेस्ट और एकदिवसीय क्रिकेट में एक अलग मुकाम हासिल कर पाते।

सूर्यकुमार ने अपना एकमात्र टेस्ट मैच, जो 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। इसमें वह केवल 8 रन ही बना पाए थे। उस पारी के बाद वह टेस्ट टीम में जगह नहीं बना पायी। अपनी एकदिवसीय विफलताओं को लेकर उन्होंने कहा, यह टी20 की तरह ही सीमित ओवरों है पर मैंने इसमें उतनी मेहनत नहीं की, जितनी मुझे करनी चाहिए थी। मैं व्यक्तिगत रूप से यह स्वीकार करता हूँ कि मैं इस फॉर्मेट का फार्मुला नहीं खोज पाया। उन्होंने आगे कहा, मैं जानता था कि मुझे नंबर 5 या 6 पर ही बल्लेबाजी मिलेगी, फिर भी मैंने इस प्रारुप को बेहतर ढंग से समझने या इसके अनुसार अपने खेल में बदलाव लाने के अधिक प्रयास नहीं किए, और इसका सीधा असर मेरे प्रदर्शन पर दिखा। सूर्यकुमार के अंतरराष्ट्रीय करियर के आंकड़ों पर नज़र डालें तो, टी20 प्रारुप में उनकी बादशाहत साफ दिखती है।

संन्यास के बाद भी धोनी की कमाई पर नहीं पड़ा है असर

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिह घोनी खेल से संन्यास के बाद भी मोटी कमाई कर रहे हैं। संन्यास के बाद धोनी की कमाई मुख्य रुप से विज्ञापन से हो रही है। वह कई बड़े ब्रांड से वह जुड़े हुए हैं। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अलावा भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से भी उन्हें पेशन मिलती है। धोनी के कई कारोबार भी है। वह खेती भी करते हैं। धोनी ने अपने शानदार करियर में भारत के लिए कुल 90 टेस्ट मैच खेले हैं। बोर्ड की मौजूदा पेंशन व्यवस्था के

तहत, वे पूर्व पुरुष क्रिकेटर जिन्होंने 25 या उससे अधिक टेस्ट मैच खेले हैं, उन्हें हर महीने 70,000 रुपये की पेंशन दी जाती है। इस हिसाब से, धोनी भी इस श्रेणी में आते हैं और उन्हें हर महीने बोर्ड से 70,000 रुपये मिलते हैं। हालांकि, उनकी कुल कमाई के विशाल आंकड़े के मुकाबले यह रकम काफी छोटी है। धोनी आईपीएल में चेन्नई सुपरकिंग्स से खेल रहे हैं। सीएसके ने 2026 सीज़न के लिए ने उन्हें 4 करोड़ रुपये में रिटेन किया है। इसका मतलब है कि केवल आईपीएल अनुबंध से ही उन्हें एक सीज़न के लिए 4 करोड़ रुपये मिलते हैं। यदि इस रकम को 12 महीनों के हिसाब से बांटा जाए, तो यह औसतन करीब 33.3 लाख रुपये प्रति महीने बैठती है। हालांकि, यह केवल एक औसत है क्योंकि आईपीएल की रकम वास्तव में पूरे सत्र में एक बार ही मिलती है। इसके अलावा उन्हें मैच के हिसाब से फीस भी मिलती है।

महिला एशिया कप में पाकिस्तान से मुकाबले को लेकर बोले बोले कोच अमोल मजूमदार

एजेंसी, दुबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को 5 सितंबर को एशिया कप में पाकिस्तान टीम से खेलना है। भारतीय टीम का लक्ष्य इस मैच को जीतकर पाक के खिलाफ अपने जीत के रिकार्ड को बनाये रखना होगा। भारतीय टीम के प्रदर्शन को देखते हुए वह इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। प्रशंसक भी इस मुकाबले का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। पाक से तनाव को देखते हुए पिछले कुछ टूर्नामेंटों से महिला टीम ने पाक खिलाड़ियों से दूरी बनाये रखी थी, अब देखना है कि एशिया कप में भी यही सिलसिला जारी रहता है या नहीं। वहीं इस मामले को लेकर भारतीय टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने कहा है कि हम मैदान पर सबसे अच्छा क्रिकेट खेलने की कोशिश करते हैं, और मैदान के बाहर की चीजों पर अधिक ध्यान नहीं देते। हम उस दिन सबसे अच्छा क्रिकेट खेलने की कोशिश करते हैं, और जब हम वह मैच खेलेंगे तो इस बारे में बात करेंगे। उनके इस बयान से साफ होता है कि टीम का ध्यान बाहरी विवादों की जगह पर खेल में बेहतर प्रदर्शन पर रहेगा। भारतीय टीम के हालिया टी20 फॉर्मेट प्रदर्शन को लेकर उठ रहे सवालों पर भी मजूमदार ने जवाब दिया। उन्होंने स्वीकार किया कि पिछले छह महीनों में टीम के प्रदर्शन को लेकर चर्चाएं रही हैं।

अब फ्रेंचाइजी क्रिकेट में खेलना ही लक्ष्य : क्लासेन

एजेंसी, डर्बन

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व आक्रामक बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने कहा है कि वह अब संन्यास के बाद फ्रेंचाइजी क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करेंगे। क्लासेन ने स्पष्ट किया है कि अब उनका एकमात्र लक्ष्य दुनिया भर की विभिन्न लीगों में जिन टीमों के लिए वे खेलते हैं, उनके साथ ट्रॉफी जीतना है।

क्लासेन ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया है, जिसके बाद वे फ्रेंचाइजी क्रिकेट में लगातार सक्रिय हैं। आईपीएल और द हंड्रेड के अलावा, वे एएस ए 20 में डरबन

सुपर जायंट्स के लिए खेलते हैं। आईएलटी20 में गल्फ जायंट्स के साथ पदार्पण करने वाले हैं और पहली यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग में रॉटरडैम डॉकर्स का भी हिस्सा होंगे। दुनिया भर की अलग-अलग लीगों में खेलने और खुद को प्रबंधित करने के बारे में क्लासेन ने बताया, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने से मुझे इन प्रतियोगिताओं के बीच ब्रेक लेने की आजादी मिली है। इनमें से ज्यादातर प्रतियोगिताओं के बीच मुझे करीब एक महीने, डेढ़ महीने या दो महीने का समय मिल जाता है। उन्होंने आगे कहा कि इससे उन्हें खुद को शारीरिक और मानसिक रूप से रीसेट करने, उन पहलुओं को समझने जिन पर काम करने की जरूरत है, और अगले टूर्नामेंट के लिए अपने शरीर को पूरी तरह से तैयार करने का पर्याप्त समय मिल जाता है।

बिजनेस

पश्चिम एशिया में तनाव के कारण कच्चे तेल में उबाल, 90 डॉलर के पार पहुंचा ब्रेंट क्रूड

एजेंसी, नई दिल्ली

अमेरिका और ईरान द्वारा एक दूसरे के ठिकानों पर नए हमलों की शुरुआत करने के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में एक बार फिर कच्चे तेल की कीमत में तेजी का रुख बन गया है। इस उछाल के कारण ब्रेंट क्रूड आज 90 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के पार चला गया। वहीं डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 86 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के करीब पहुंच गया है। अमेरिका द्वारा होर्मुज स्ट्रेट में ईरान के एक द्वीप में दो लॉन्चर्स पर हमला करने के बाद ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई की है। अमेरिका के हमलों के बाद ईरान ने जॉर्डन में दो अमेरिकी बेस पर हमला कर दिया। दोनों देशों द्वारा एक दूसरे के ठिकानों पर हमला करने की वजह से पश्चिम एशिया में एक बार फिर तनाव की स्थिति बन गई है, जिसका असर अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में तेजी के रूप में नजर आ रहा है। आज ब्रेंट क्रूड ने 1.35 डॉलर प्रति बैरल उछल कर 89.455 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। ट्रेडिंग

शुरू होने के कुछ देर बाद ही इसकी कीमत 90 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गई। तनाव की आशंका के कारण भारतीय समय के मुताबिक सुबह 10 बजे के करीब ब्रेंट क्रूड 90.98 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया था। हालांकि कुछ देर बाद इसमें मामूली गिरावट भी दर्ज की गई। भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 11:30 बजे ब्रेंट क्रूड 2.69 डॉलर प्रति बैरल यानी 3.05 प्रतिशत की तेजी के साथ 90.79 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर ट्रेड कर रहा था। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड की ट्रेडिंग आज 1.29 डॉलर प्रति बैरल की तेजी के साथ 84.69 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से शुरू हुई। शुरुआत में ही कुछ देर के लिए यह फिसल कर 84.11 डॉलर प्रति बैरल तक आया। इसके बाद इसके भाव में तेजी आ गई और थोड़ी देर में ही यह उछल कर 85.96 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर आ गया। भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 11:30 बजे डब्ल्यूटीआई क्रूड 2.33 डॉलर प्रति बैरल यानी 2.79 प्रतिशत की बढ़त के साथ 85.73 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। जानकारों का कहना है कि अमेरिका और ईरान के बीच शुरू हुए नए हमलों का सिलसिला अगर जारी रहा तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में उबाल आ सकता है। अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट पर पूरा कंट्रोल हासिल करने के लिए ही ईरान के द्वीप पर दो लॉन्चर्स पर हमला किया है। इसके जवाब में ईरान ने भी जॉर्डन के अमेरिकी बेस पर हमला कर साफ कर दिया है कि वो अमेरिकी हमलों के सामने सरेंडर नहीं करेगा। दोनों देशों के रवैये से साफ है कि पश्चिम एशिया के तनाव में अभी जल्दी कोई कमी आने की उम्मीद नहीं है। मार्केट एक्सपट्र्स का कहना है कि अगर ये तनाव जारी रहा तो कच्चे तेल की कीमत में भी तेजी का रुख बना रह सकता है। कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी भारत जैसे ऑयल इंपोर्टर देश की अर्थव्यवस्था पर निगेटिव इफेक्ट डाल सकती है। टीएनवी फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ तारकेश्वर नाथ वैष्णव का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ी हुई कीमत का लंबे समय तक बना रहना भारत के करंट अकाउंट डेफिसिट को बढ़ा सकता है। इसके साथ ही इसकी वजह से फिस्कल डेफिसिट टारगेट भी हिट हो सकता है।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने पार्थ जिंदल को चेयरमैन नियुक्त किया

एजेंसी, नई दिल्ली

देश की दिग्गज कार निर्माता कंपनी जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने पार्थ जिंदल को नया चेयरमैन नियुक्त किया है। जिंदल की नियुक्ति तुरंत प्रभाव से लागू हो गई है। इससे पहले पार्थ कंपनी के निदेशक थे। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के चेयरमैन के अलावा पार्थ जिंदल जेएसडब्ल्यू सीमेंट और जेएसडब्ल्यू पेंट्स के प्रबंध निदेशक, जेएसडब्ल्यू ड्यूलक्स लिमिटेड के चेयरमैन और जेएसडब्ल्यू एनर्जी के बोर्ड में निदेशक भी हैं। वह जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के संस्थापक तथा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीम दिल्ली कैपिटल्स के चेयरमैन एवं सह-मालिक भी हैं। पार्थ जिंदल संयुक्त उद्यम की स्थापना के समय से ही जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के निदेशक मंडल में रहे हैं। कंपनी की उत्पाद रणनीति, विनिर्माण विस्तार तथा स्थानीयकरण कार्यक्रम को आकार देने में उनकी अहम भूमिका रही है। उनकी नियुक्ति ऐसे समय हुई है, जब जेएसडब्ल्यू समूह जर्मनी की प्रमुख वाहन निर्माता कंपनी स्कोडा फॉक्सवैगन के साथ संभावित साझेदारी को लेकर बातचीत कर रहा है।

भारत-ब्राजील ने 2030 तक 30 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार का रखा लक्ष्य

भारत ने दवा उत्पाद के निर्यात बढ़ाने के लिए ब्राजील में अधिक विश्वसनीय नियामकीय व्यवस्था की मांग की

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत और ब्राजील ने द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक सहयोग को और मजबूत करने के अपने संकल्प को दोहराया है। राजधानी ब्रासीलिया में हुई 8वीं भारत-ब्राजील व्यापार निगरानी तंत्र (टीएमएम) की बैठक में दोनों ही देशों ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 30 अरब यूएस डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य भी तय किया है।

ब्राजील के ब्रासीलिया में आयोजित भारत-ब्राजील व्यापार निगरानी तंत्र की 8वीं बैठक में भारत-ब्राजील रणनीतिक साझेदारी को रेखांकित करने वाले मजबूत संस्थागत ढांचे और रणनीतिक एवं आर्थिक संबंधों को सुदृढ़ करने के लिए दोनों पक्षों की साझा प्रतिबद्धता पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक की सह-अध्यक्षता वाणिज्य सचिव

राजेश अग्रवाल और ब्राजील की विदेश व्यापार सचिव तातियाना लैसर्दा प्राजेरेस ने की।

बैठक के दौरान भारत ने दवा उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए ब्राजील में अधिक विश्वसनीय नियामकीय व्यवस्था की मांग की है। दोनों पक्षों ने और अधिक विविध, संतुलित और निरंतर साझेदारी के माध्यम से विशेष रूप से फार्मास्यूटिकल्स, रसायन, इंजीनियरिंग सामान और मशीनरी के क्षेत्र में 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 30 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने की प्रतिबद्धता जताई।

इस दौरान वाणिज्य सचिव ने ब्राजील सरकार के विकास, उद्योग, वाणिज्य और सेवा मंत्री मार्सियो एलियास रोजा से भी मुलाकात की तथा द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों को और सुदृढ़ करने तथा प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि भारत-मर्कोसुर तरजीही व्यापार समझौते के विस्तार और आधुनिकीकरण की काफी गुंजाइश है। वर्ष 2025 में भारत-मर्कोसुर द्विपक्षीय व्यापार 0.84 अरब डॉलर तक पहुंचने के साथ दोनों पक्ष कार्यक्षेत्र की शर्तों को जल्द अंतिम रूप देने पर सहमत हुए।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

एजेंसी, नई दिल्ली

सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सांकेतिक गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में बदलाव होने की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,58,230 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,58,380 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,45,040 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,45,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी मामूली कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार में 2,54,900

रुपये प्रति किलोग्राम स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,58,380 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,45,190 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,58,230 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,45,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,58,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,45,090 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,58,230 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,45,040 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,58,230 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,45,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,58,280 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,45,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

एजेंसी, नई दिल्ली । घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत भी गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से कुछ देर के लिए सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक की चाल में मामूली तेजी भी आई, लेकिन थोड़ी देर बाद ही बिकवाली शुरू हो गई। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से इन दोनों सूचकांकों पर लगातार दबाव बढ़ता चला गया। सुबह 10 बजे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.50 प्रतिशत और निफ्टी 0.59 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 133.78 अंक यानी 0.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ 77,130.73 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से थोड़ी देर में ही यह सूचकांक उछल कर 77,177.27 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली शुरू हो गई। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से सेंसेक्स लगातार लुढ़कता चला गया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 386.49 अंक यानी 0.50 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 76,878.02 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 58.10 अंक यानी 0.24 प्रतिशत फिसल कर 24,117.55 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की।

स्टॉक मार्केट में ऑगमॉन्ट इंटरप्राइजेज की मजबूत शुरुआत, फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

देश की प्रमुख इंटेग्रेटेड गोल्ड एंड सिल्वर प्लेटफॉर्म मैनेजमेंट कंपनी ऑगमॉन्ट इंटरप्राइजेज लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत शुरुआत कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 788 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 21.32 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 956 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 21.95 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 961 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर कुछ देर में ही उछल कर 1,019 रुपये के स्तर तक पहुंचा। वहीं बिकवाली का दबाव बनने पर इसने 927.10 रुपये के स्तर पर आ गया। बाजार मे

लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच सुबह 10:45 बजे ये शेयर 946.65 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 158.65 रुपये यानी 20.13 प्रतिशत का फायदा हो गया था। इस कंपनी का 825 करोड़ रुपये का आईपीओ 21 से 25 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 111.18 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 238.46 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 127.63 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 32.64 गुना और एंप्लॉयीज के लिए रिजर्व पोर्शन 22.22 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत पांच रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 1,04,69,541 करोड़ शेयर जारी किए जा रहे हैं। इनमें लगभग 620 करोड़ रुपये के 78,68,020 नए शेयर जारी किए जा रहे हैं, जबकि लगभग 205 करोड़ रुपये के 26,01,521 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं।

मेरी बाइसेक्सुअलिटी के बारे में माता-पिता को मालूम था : आकांक्षा चमोला

बीते दिनों रियलिटी शो लॉक अप सीजन 2 में अभिनेत्री आकांक्षा चमोला ने अपने जीवन से जुड़े कई चौंकाने वाले खुलासे किए थे। इन खुलासों के बाद आकांक्षा ने हाल ही में अपने माता-पिता और ससुराल वालों के रिएक्शन के बारे में बात की। आकांक्षा चमोला का कहना था, नहीं, मेरे ससुराल वालों ने कुछ नहीं कहा क्योंकि हम एक-दूसरे से बात नहीं करते और माता-पिता हमारे अपने होते हैं, तो वे क्या ही कहेंगे। कौन से माता-पिता अपने बच्चे से कुछ कहेंगे? यह उनके माता-पिता के समर्थन और उनकी समझदारी को दर्शाता है। अभिनेत्री आकांक्षा चमोला ने दृढ़तापूर्वक कहा, मुझे नहीं लगता कि यह कोई डार्क रिवीलेशन था। उन्होंने अपनी बात जारी रखते हुए कहा, मैं पिछले डेढ़ साल से अपने माता-पिता के साथ रह रही हूं, वे एक तरह से इसके लिए मानसिक रूप से तैयार थे। बस इतना हुआ कि उन्हें इसके बारे में नेटफ्लिक्स के जरिए पता चला। आकांक्षा ने बाइसेक्सुअलिटी (द्विलैंगिकता) के बारे में अपने खुलासे का जिक्र करते हुए कहा, जहां तक बाइसेक्सुअलिटी की बात है, मुझे लगता है कि उन्हें इसके बारे में भी पता चल गया था। यह उनके और उनके माता-पिता के बीच की समझ और खुलेपन को दर्शाता है। अभिनेत्री ने शो के अंदर अपने गेम के बारे में बात करते हुए कहा, मैंने शो के अंदर अपना बेस्ट देने की पूरी कोशिश की है। मैंने वही किया, जो मैं करना चाहती थी। मैंने अपनी सच्चाई और ईमानदारी के साथ खेला। उन्होंने बताया कि उनका लक्ष्य केवल शो जीतना नहीं था, बल्कि अपनी वास्तविक पहचान और अनुभवों को बिना किसी डर के सामने रखना था। शो के अंदर अभिनेत्री आकांक्षा चमोला की हालत थोड़ी खराब हो गई थी और वह बीमार पड़ गई थीं, जिसके पीछे की वजह पर बात करते हुए उन्होंने कहा, शो के अंदर हालात ऐसे थे कि कोई भी बीमार पड़ सकता है। आप इमोशनली, मेंटली और फिजिकली तीनों रूप से कमजोर हो जाते हैं। उन्होंने अपनी बात जारी रखी, इसके बावजूद, कई बार ऐसा होता था कि आपको ठीक से खाना नहीं मिलता था। आप सर्वाइवल फेज में होते थे और आपको ठंडे पानी से नहाना पड़ता था, तो ऐसे में बीमार पड़ना तो स्वाभाविक है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शो का कठिन माहौल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर भारी पड़ता है। अभिनेत्री से आगे पूछा गया कि शिल्पा शिंदे ने हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्हें अटेंशन सीकर कहा था। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए आकांक्षा ने आत्मविश्वास से कहा, अगर मैं उनको अटेंशन सीकर लगती हूं, तो होगी। मुझे किसी से अटेंशन मांगने की जरूरत नहीं है, अपने आप मिलता है।

अंजना सिंह ने काजल राघवानी पर लगाया सहानुभूति बटोरने का आरोप

भोजपुरी अभिनेत्री काजल राघवानी द्वारा पवन सिंह, आम्रपाली दुबे और दिनेश लाल यादव निरहुआ जैसे इंडस्ट्री के दिग्गज कलाकारों पर लगाए गए गंभीर आरोपों ने बवाल खड़ा कर दिया है। इस ताजे विवाद को लेकर अभिनेत्री अंजना सिंह ने काजल राघवानी का नाम लिए बिना उन पर सहानुभूति बटोरने का आरोप लगाया है। इस बारे में अंजना सिंह ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के स्टोरीज सेक्शन पर तीन नोट साझा किए, जिसमें उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से काजल राघवानी के लिए कड़े शब्द कहे। अपनी पहली स्टोरी में उन्होंने एक तीखी टिप्पणी की, हमारी इंडस्ट्री में एक मौसी हैं (खाला), जो ऑन-ऑफ स्क्रीन पूरी मंथरा का रोल प्ले करती हैं। यह टिप्पणी स्पष्ट रूप से किसी ऐसे व्यक्ति की ओर इशारा कर रही थी जो लगातार दूसरों के मामलों में दखल देता है और विवाद पैदा करता है। अपनी दूसरी स्टोरी में, उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में लिखा, राम राम क्या दिन आ गए हैं, गाड़ी एक और मालिक दो। सही है, सही है। यह शायद रिश्तों में जटिलता या धोखे की ओर इशारा कर रहा था, जिसमें एक ही चीज़ पर दो लोगों का अधिकार होने की बात कही गई। तीसरी और सबसे लंबी स्टोरी में, अंजना सिंह ने सीधे तौर पर संबोधित करते हुए लिखा, लोगों को बहुत सहानुभूति चाहिए। ये लोग जब किसी के साथ रहते हैं तो कहते हैं, क्योंकि मैं इनके साथ हूं, इसलिए लोग काम नहीं देते, और जब इंसान साथ नहीं रहता तो लोगों के पास रो रो कर बुराई करना और सहानुभूति पाना शुरू कर देते हैं। उन्होंने आगे सलाह दी, भाई, अपने रिश्ते खुद संभालो, लोगों के पास जाकर रोने और बुराई करने से कुछ नहीं मिलेगा, बड़े हो जाओ। यह टिप्पणी व्यक्तिगत संबंधों की जिम्मेदारी लेने और सार्वजनिक रूप से दूसरों की आलोचना करने के बजाय अपने मुद्दों को सुलझाने की आवश्यकता पर बल देती है। हालांकि, अभिनेत्री अंजना सिंह ने अपने पोस्ट में कहीं भी काजल राघवानी के नाम का स्पष्ट रूप से जिक्र नहीं किया है, लेकिन इंडस्ट्री के जानकार और दर्शक यह अच्छी तरह समझ रहे हैं कि उनके निशाने पर कौन है। दरअसल, रियलिटी शो भोजपुरी बवाल में अभिनेत्री काजल राघवानी ने मुख्य रूप से भोजपुरी सिनेमा के कुछ बड़े नामों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने पवन सिंह पर आरोप लगाया कि 2008 की फ़िल्म कैसे हो जा प्यार की शूटिंग के दौरान उनसे बिना बताए और उनकी सहमति के बिना जबरदस्ती किसिंग सीन करवाने की कोशिश की गई थी। काजल के अनुसार, जब उन्होंने इसका कड़ा विरोध किया, तो पवन सिंह कथित तौर पर सेट छोड़कर चले गए थे। वहीं, काजल ने दिनेश लाल यादव (निरहुआ) और आम्रपाली दुबे पर भी आरोप लगाया था कि उनकी एक फ़िल्म आशिक आवारा के दौरान उनका एक गाना शूट होने वाला था, जिसे बाद में उनसे लेकर आम्रपाली दुबे और निरहुआ पर फिल्मा लिया गया था।

अल्लारी नरेश की नई फिल्म 'कनका दुर्गा का दमदार पोस्टर जारी, भक्ति और संस्कृति से जुड़ी है कहानी

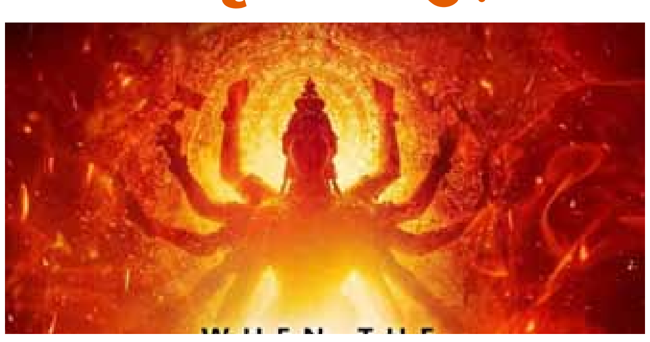

अभिनेता अल्लारी नरेश इन दिनों अलग-अलग विषयों पर आधारित मनोरंजक फिल्मों में काम कर रहे हैं। अब वह निर्देशक प्रदीप मद्दाली की आगामी फिल्म 'कनका दुर्गा में नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण तेजी से जारी है। निर्माताओं ने रविवार को फिल्म का नया पोस्टर जारी किया, जिसमें अल्लारी नरेश का आध्यात्मिक और भक्तिमय रूप देखने को मिला है। जारी पोस्टर में अल्लारी नरेश देवी दुर्गा की प्रतिमा के सामने हाथ जोड़कर प्रार्थना करते दिखाई दे रहे हैं। पोस्टर का दृश्य बेहद प्रभावशाली है और फिल्म की आध्यात्मिक पृष्ठभूमि की झलक देता है। पोस्टर पर लिखा है, जब दैवीय शक्ति का आगमन होता है, तो भक्त का उत्थान होता है। फिल्म की कहानी बीवीएस रवि ने लिखी है। फिल्म में काजल चौधरी मुख्य महिला भूमिका में हैं, जबकि सुब्बाराजू भी महत्वपूर्ण किरदार निभा रहे हैं। फिल्म का निर्माण अप्लॉज एंटरटेनमेंट और टेंपल टाउन पिक्चर्स के सहयोग से किया जा रहा है। अप्लॉज एंटरटेनमेंट इससे पहले निर्देशक मैरी सेल्वाराज की फिल्म 'बाइसन कालामाडान (2025) का निर्माण कर चुकी है। फिल्म की कहानी को लेकर लेखक बीवीएस रवि ने कहा कि 'कनका दुर्गा की कहानी तेलुगु समाज और वहां की संस्कृति से गहराई से जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि फिल्म की पृष्ठभूमि भक्ति और संस्कृति से समृद्ध है। ऐसी कहानी के साथ अपनी यात्रा शुरू करने को लेकर पूरी टीम उत्साहित है और अप्लॉज एंटरटेनमेंट जैसे मजबूत साझेदार का साथ मिलना उनके लिए सौभाग्य की बात है। वहीं, निर्देशक प्रदीप मद्दाली ने कहा कि 'कनका दुर्गा उनके लिए बेहद खास फिल्म है। यह फिल्म केवल एक निर्देशक के तौर पर उनके लिए महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि देवी के प्रति उनकी गहरी आस्था को भी दर्शाती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह सिर्फ एक भक्ति फिल्म नहीं है, बल्कि एक ऐसे व्यक्ति की कहानी है जिसकी जिंदगी पूरी तरह बिखर चुकी है और एक शक्तिशाली देवी से उसका सामना उसकी जिंदगी को बदल देता है। निर्देशक के अनुसार, फिल्म को गहरी भावनाओं और भव्य दृश्यों से भरपूर बनाया जा रहा है। फिल्म के नए पोस्टर ने दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। अल्लारी नरेश का भक्तिमय अंदाज और फिल्म की आध्यात्मिक पृष्ठभूमि इसे उनकी पिछली फिल्मों से अलग विषय वाली प्रस्तुति के रूप में पेश करती है।

अक्षय ओबेरॉय की फिल्म लव लॉटरी का पहला लुक जारी

एक्टर अक्षय ओबेरॉय और हेली दांरूवाला स्टारर और सच्ची घटनाओं से प्रेरित फिल्म लव लॉटरी का फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है. महज 49 सेकंड का यह वीडियो अपने रहस्यमयी अंदाज, दमदार विजुअल्स और सस्पेंस से भरपूर बैकग्राउंड स्कोर के साथ दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा रहा है. फिल्म कोर्टरूम ड्रामा, मर्डर मिस्ट्री और सस्पेंस थ्रिलर का दिलचस्प मिश्रण है, जिसमें रिश्तों, कानून और समाज के कई संवेदनशील पहलुओं को कहानी का हिस्सा बनाया गया है. फर्स्ट लुक में कहानी का ज़्यादा खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन फिल्म के प्रमुख किरदारों की झलक दर्शकों की उत्सुकता बढ़ाने के लिए काफी है. इसमें अक्षय ओबेरॉय, हेली दरूवाला, कबीर दुहान सिंह, हेमंत पांडे, विजयंत कोहली और अग्नि अग्यारी अपने अलग-अलग अंदाज में नजर आ रहे हैं. वहीं वीडियो के आखिर में संतोष शुक्ला की एंट्री कहानी के रहस्य को और गहरा कर देती है. फिल्म में अक्षय ओबेरॉय और हेली दरूवाला के अलावा कबीर दुहान सिंह, विजयंत कोहली, हेमंत पांडे, इंदिरा कृष्णन, संतोष शुक्ला, विक्रम शर्मा, अग्नि अग्यारी, कुमार सौरभ, अश्वंत लोढ़ी और अर्शदीप संधू अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे. 18 सितंबर 2026 को रिलीज होने वाली लव लॉटरी एक ऐसे आधुनिक शहरी कपल की कहानी है, जिनकी शादीशुदा जिंदगी में आई दरार धीरे-धीरे एक जटिल कानूनी लड़ाई में बदल जाती है. इसी बीच एक मर्डर मिस्ट्री, कई चौंकाने वाले खुलासे कहानी को नए मोड़ देती हैं. फिल्म रिश्तों में विश्वास, सामाजिक धारणा, भावनात्मक शोषण और गंभीर आरोपों के मनोवैज्ञानिक प्रभाव जैसे विषयों को भी छूती है. फिल्म की शूटिंग उत्तराखंड की खूबसूरत लोकेशंस पर की गई है. प्राकृतिक वादियों और मनमोहक दृश्यों को कहानी का अहम हिस्सा बनाया गया है, जिससे फिल्म का विजुअल एक्सपीरियंस और भी शानदार बन गया है. फिल्म के निर्माता कुलदीपदरूवाला उर्फ तुषार ने कहा, हम चाहते थे कि लव लॉटरी सिर्फ एक मनोरंजक फिल्म न बने, बल्कि दर्शकों को सोचने पर भी मजबूर करे. इसमें सस्पेंस, इमोशंस और सामाजिक रूप से प्रासंगिक विषयों का ऐसा मेल देखने को मिलेगा जो दर्शकों को अंत तक बांधे रखेगा. वहीं, निर्देशक अरविंद पांडे ने कहा, यह सिर्फ कोर्टरूम ड्रामा नहीं, बल्कि रिश्तों, इमोशन और सच्चाई की तलाश की कहानी है. हमने मर्डर मिस्ट्री, सस्पेंस और इंसानी रिश्तों की जटिलताओं को इस तरह पिरोया है कि दर्शक आखिरी दृश्य तक अनुमान लगाते रहेंगे कि सच क्या है. लव लॉटरी का निर्माण सिनेमा गंज फिल्म्स के बैनर तले किया गया है. फिल्म के निर्माता कुलदीप भार्गव (तुषार), निर्देशक अरविंद पांडे और लेखक अंकुर खत्री हैं. फिल्म की सिनेमैटोग्राफी नवीन वी. मिश्रा ने और एडिटिंग प्रकाश झा ने की है, जबकि संगीत वरुण मिश्रा और अरविंद पांडे ने तैयार किया है.

कार्थी फ़िल्म सरदार 2 का टीज़र रिलीज़, 10 सितंबर को बड़े पैमाने पर होगी रिलीज़

सरदार 2 के मेकर्स ने आज इसका टीज़र रिलीज़ किया। टीज़र में ज़बरदस्त एक्शन और रोमांचक सीन देखकर फ़िल्म देखने वालों में काफ़ी उत्साह पैदा हुआ, और कार्थी ने इसमें ज़बरदस्त परफ़ॉर्मेंस दी है। फ़िल्म के रोमांचक सीन, कार्थी का ज़बरदस्त एक्शन और विलेन के रोल में एस.जे. सूर्या की मौजूदगी ने सभी को उत्साहित कर दिया। बैकग्राउंड म्यूज़िक़ और सिनेमैटोग्राफ़ी ने सीन को और भी शानदार बना दिया। कार्थी ने अपने एक्सप्रेशन से सभी को प्रभावित किया। सैम सी.एस. ने बेहतरीन बैकग्राउंड म्यूज़िक़ दिया है, जबकि सिनेमैटोग्राफ़ी ने टीज़र की क्वालिटी को और बढ़ाया है। फ़िल्म में आशिका रंगनाथ और मालविका मोहनन मुख्य महिला भूमिकाओं में हैं, जबकि योगी बाबू भी एक अहम भूमिका निभा रहे हैं। यह फ़िल्म 10 सितंबर 2026 को बड़े पैमाने पर रिलीज़ होने वाली है। फ़िल्म का निर्देशन पी.एस. मित्रन ने किया है। लोगों को इस फ़िल्म से काफ़ी उम्मीदें हैं क्योंकि सरदार 2, हिट फ़िल्म सरदार का सीक्वल है। प्रिंस पिक्चर्स के बैनर तले एस. लक्ष्मण कुमार और ईशान सक्सेना इस फ़िल्म को प्रोड्यूस कर रहे हैं। यह फ़िल्म अन्नपूर्णा स्टूडियोज़ के बैनर तले तेलुगु में रिलीज़ हो रही है।

टॉक्सिक' में दिखाए बोल्ड दृश्यों को लेकर जारी है ट्रोलिंग

सोशल मीडिया पर बॉलीवुड फिल्म 'टॉक्सिक' में दिखाए गए कुछ बोल्ड दृश्यों को लेकर विवाद और ट्रोलिंग का सिलसिला जारी है। सोशल मीडिया पर पूर्व में फिल्म में यश और कियारा के दृश्यों को लेकर अभिनेत्री को निशाना बनाया गया। अब कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने कियारा के पति एवं अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा के सोशल मीडिया अकाउंट पर भी आपत्तिजनक टिप्पणियां करनी शुरू कर दी हैं। सिद्धार्थ के एक विज्ञापन वीडियो के कमेंट सेक्शन में कई यूजर्स ने कियारा और फिल्म के दृश्यों को लेकर निजी टिप्पणियां कीं। हाल ही में सिद्धार्थ मल्होत्रा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक विज्ञापन से जुड़ा वीडियो साझा किया था। वीडियो पोस्ट होते ही उसके कमेंट सेक्शन में कुछ यूजर्स ने फिल्म 'टॉक्सिक' का जिक्र करते हुए अभिनेता को ट्रोल करना शुरू कर दिया। कई टिप्पणियों में कियारा आडवाणी और यश के बीच फिल्माए गए दृश्यों को लेकर व्यक्तिगत और भद्दी बातें लिखी गईं। कुछ लोगों ने रिश्तों को लेकर भी अनुचित अनुमान लगाए और ऐसी टिप्पणियां कीं, जिन्हें सोशल मीडिया पर निजी जीवन में अनावश्यक दखल के रूप में देखा जा रहा है। फिल्म के गाने 'तबाही' के रिलीज के दौरान भी कियारा आडवाणी को इसी तरह की ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था। गाने में यश और कियारा के कुछ अंतरंग और बोल्ड दृश्य शामिल थे, जिसके बाद सोशल मीडिया के एक वर्ग ने अभिनेत्री को निशाना बनाया था। अब फिल्म की रिलीज के बाद यह मामला फिर चर्चा में आ गया है और ट्रोलिंग का दायरा सिद्धार्थ मल्होत्रा तक पहुंच गया है। इस बीच 'टॉक्सिक' के बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन को लेकर भी सोशल मीडिया पर चर्चा तेज है। फिल्म ने रिलीज के पहले दिन अच्छी शुरुआत की थी और इसके कारोबार को लेकर बड़ी उम्मीदें जताई जा रही थीं। हालांकि बाद के दिनों में फिल्म की कमाई में गिरावट देखने को मिली। सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कुछ दर्शकों ने यश की स्क्रीन उपस्थिति की तारीफ की, जबकि कुछ ने फिल्म की कहानी और प्रस्तुति को लेकर निराशा जताई।

एक ही समय पर दस्त और कब्ज लगने के हो सकते हैं ये 5 कारण

दस्त और कब्ज, दोनों ही पेट की समस्याएं हैं, जो अलग-अलग लक्षण और इलाज रखती हैं। हालांकि, कुछ स्थितियों में ये दोनों समस्याएं एक साथ हो सकती हैं। इस लेख में हम उन 5 कारणों के बारे में जानेंगे, जिनसे एक ही समय पर दस्त और कब्ज, दोनों लग सकते हैं। इन कारणों को जानकर आप बेहतर तरीके से इन समस्याओं का इलाज कर सकते हैं और अपनी सेहत को सुधार सकते हैं।

खाने में अचानक बदलाव करने से पाचन तंत्र प्रभावित हो सकता है। अगर आप अचानक से ज्यादा फाइबर वाला या गलत खाने का सेवन करने लगते हैं तो इससे दस्त और कब्ज, दोनों हो सकते हैं। इसके अलावा ताजे फल और सब्जियों की कमी भी इस समस्या का कारण बन सकती है। इसलिए, अपने खाने में धीरे-धीरे बदलाव करें और ऐसा खाना खाएं, जिसमें प्रोटीन, विटामिन, मिनरल्स और फाइबर की सही मात्रा हो। शरीर में पानी की कमी भी दस्त और कब्ज, दोनों का कारण बन सकती है। जब शरीर को पर्याप्त पानी नहीं मिलता तो यह अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए मल को अधिक अवशोषित कर लेता है, जिससे कब्ज हो जाते है। वहीं, कुछ मामलों में यह पेट के बैक्टीरिया को असंतुलित कर देती है, जिससे दस्त लग जाते हैं। इसलिए, रोजाना पर्याप्त मात्रा में पानी पीना जरूरी है। कुछ संक्रमण या बीमारियां भी दस्त और कब्ज, दोनों का कारण बन सकती हैं। जैसे आंतों की सूजन, फ्लू वायरस या बैक्टीरियल संक्रमण। इन मामलों में डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी होता है, ताकि सही इलाज मिल सके और समस्या का समाधान भी हो सके। इसके अलावा पेट के संक्रमण के कारण भी दस्त और कब्ज, दोनों लग सकते हैं। ऐसे में डॉक्टर से संपर्क करना बेहद जरूरी होता है। मानसिक तनाव, जैसे चिंता या तनाव भी पाचन तंत्र पर बुरा असर डाल सकता है, जिससे दस्त और कब्ज लग सकते हैं। जब शरीर में तनाव होता है तो यह पेट पर दबाव डालता है, जिससे मल सख्त हो जाता है या तरल हो जाता है। इसलिए, मानसिक शांति बनाए रखना बहुत जरूरी है, ताकि पेट स्वस्थ रहे और ऐसी समस्याएं न हों। इसके लिए नियमित ध्यान या योग करना फायदेमंद हो सकता है। कुछ दवाइयों के सेवन से भी दस्त या कब्ज जैसी समस्याएं हो सकती हैं। खासकर अगर आप किसी संक्रमण या बीमारी का इलाज करवा रहे हों तो डॉक्टर द्वारा बताई गई दवाइयों का ही सेवन करें। गलत दवाइयों के सेवन से शरीर पर बुरा असर पड़ता है, जिससे पेट संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इन कारणों को जानकर आप बेहतर तरीके से इन समस्याओं का इलाज कर सकते हैं और अपनी सेहत को सुधार सकते हैं।

Mirwaiz backs NC MP, demand for J&K statehood, Article 370

Srinagar, Agency: Hurriyat Conference chairman Mirwaiz Umar Farooq Saturday backed National Conference MP Aga Ruhullah Mehdi and criticised the governing party for failing to honour its election promises.He urged all political parties in J&K to raise their voice for the restoration of Article 370 and statehood to the union territory.

"I think it is not only Aga Ruhullah Sahib but all political parties, organisations should stand up for the rights of the people and constitutional guarantees," Mirwaiz told reporters here. While Mirwaiz has consistently spoken about the "rights of the people of J&K," this is perhaps the first time he has openly criticised the NC for abandoning its position on Article 370 and backed Mehdi, the Srinagar MP who has been vocal in demanding its restoration.

Mirwaiz said priorities of the NC govt are different from what it promised to people during the 2024 assembly polls. "The rights of the people have been snatched away, Jammu & Kashmir has been divided, all our legal and constitutional commitments have been completely ignored," he said.

Mirwaiz said electricity, roads and development are important issues which the govt is concerned with. "But I think these are secondary issues. The real issue is that the very existence of the people of Jammu & Kashmir is under threat. At this juncture, all political parties in J&K should not only raise their voice for the restoration of statehood but also seek the restoration of Article 370, which was the basis accession (with India)," Mirwaiz said. He said all promises made to people of J&K from 1947 onwards by the union govt were subsequently reneged upon, including the constitutional guarantees.

On Friday, Mehdi, who is also influential Shia cleric, announced he has decided to resign from both the NC and the Lok Sabha and will formally send his resignation letter to the Lok Sabha Speaker on Nov 3, the 26th death anniversary of his father Aga Syed Mehdi, who was killed by terrorists in an IED blast.

BRIFF NEWS

FSSAI bans Everest, LG from selling hing

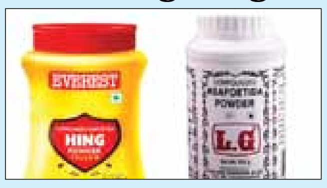

New Delhi, Agency : The humble pinch of hing used in Indian kitchens has come under the scanner, with the Food Safety and Standards Authority of India (FSSAI) issuing prohibition orders against Everest Food Products Private Limited and Laljee Godhoo and Company over non-compliance in compounded hing and asafoetida products. In a social media post, the food regulator said it had issued prohibition orders against the two companies under the Food Safety and Standards Act, 2006. For Everest, samples of compounded asafoetida, yellow hing powder and black hing powder were found non-compliant with prescribed alcohol-soluble extract requirements.

BSF moves ahead with live monitoring of borders

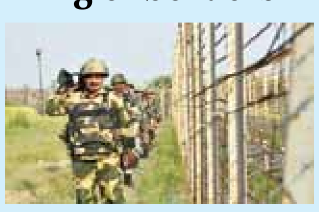

New Delhi, Agency: The Border Security Force (BSF) has kickstarted the process to implement the Centre's CCTV model that will be launched in Tripura as a pilot project.

Tenders are being floated for procuring CCTVs and laying an optical fibre cable network for the project. Every camera of the BSF will be upgraded and connected with the local district administration, where live monitoring of the borders' footage will be conducted with the help of a camera grid. The idea behind the project is to ensure complete territorial defence apart from just fencing borders.

Delhi court takes cognisance of NIA chargesheet in Red Fort blast case

New Delhi, Agency : A Delhi court on Saturday took cognisance of the National Investigation Agency's (NIA) 7,500-page chargesheet against 13 accused in the Red Fort blast case. The high-intensity Vehicle-Borne Improvised Explosive Device (VBIED) blast on November 10 last year killed 11 people and left several injured. Special Judge Prashant Sharma took cognisance of the agency's chargesheet and posted the matter for further proceedings on September 9. On May 14 this year, the NIA had filed the chargesheet against 10 accused. All 10 accused, including main accused Dr Umer Un Nabi (deceased), were linked to Ansar Ghazwat-ul-Hind (AGuH), an offshoot of the Al-Qaeda in the Indian Subcontinent (AQIS), the chargesheet had said.

Jamia suspends four students over protest against alleged admission irregularities

New Delhi, Agency: Jamia Millia Islamia has suspended four students and barred them from entering the campus in connection with a protest over alleged irregularities in 2026-27 admissions, according to suspension orders issued by the university. The students were part of an "unauthorised" sit-in at the university's Central Canteen on August 24, despite being informed that protests could be held only at a designated area near Gate No. 18, according to the university.PTI has seen copies of the suspension orders issued by the university's chief proctor on August 26.The orders state that the students were suspended for varying periods and barred from entering the campus during the suspension period. They have also been asked to explain why further disciplinary action should not be taken against them.

CBSE Capacity Building Programme on Mental Health Held at Sainik School Nalanda

Nalanda : A one-day Capacity Building Programme (CBP) on "Promoting Mental Health and Wellness Among Students" was organized at Sainik School Nalanda on August 29, 2026, under the aegis of the CBSE Centre of Excellence, Patna Region.The programme was aimed at equipping in-service teachers with the knowledge, skills and practical strategies needed to identify and address students' mental health concerns and emotional well-being needs. A total of 60 teachers participated in the programme, including 25 teachers from Sainik School Nalanda and 35 from Mani Dweep Academy, Jamui, Bihar.The programme was inaugurated with the ceremonial lighting of the lamp by Colonel

Bhupender Kumar, Principal of Sainik School Nalanda, along with other distinguished guests and participating teachers. Addressing the gathering, Colonel Bhupender Kumar highlighted the crucial role of teachers in creating a safe, positive and supportive school environment. He said teachers are often the first to notice changes in students' behaviour, emotions, academic performance and social interactions.He encouraged teachers to remain empathetic, approachable and sensitive to students' emotional needs. He also stressed the importance of fostering resilience, self-awareness, healthy relationships and a positive outlook among learners.Two insightful sessions were conducted by CBSE Centre of Excellence-appointed resource persons and education experts—Dr Pramod Kumar, Senior Master at Sainik School Nalanda, and Shri Kundan Pathak, Principal of Saraswati International School, Asthawan.The resource persons sensitized teachers about different aspects of student mental health and wellness and encouraged them to adopt supportive and inclusive approaches in classrooms and school settings.The training sessions included interactive discussions, group activities, case-based learning and hands-on exercises. These activities provided participants with practical approaches to understand students' emotional needs, respond to emerging concerns and promote a healthy school climate.The programme concluded with an emphasis on strengthening teachers' capacity to support students' mental and emotional well-being and creating schools where learners feel safe, understood and supported.

Shreya Shreeja Makes Her Mark in the Field of Law

Sagar Suraj

Motihari's Shreya Shreeja Named 'Best Student' of NMIMS School of Law's 2021–26 Batch, Carrying Forward a Legacy of Legal Excellence

Motihari: Shreya Shreeja, daughter of banker Achal Abhishek and granddaughter of noted senior advocate Late Banshidhar Prasad, has made her family and hometown proud with an outstanding achievement in the field of law.

A resident of New Gopalpur (West), Motihari, Shreya has been awarded a Certificate of Merit by the SVKM's NMIMS School of Law, Bengaluru, for being the "Best Student" of the B.A., LL.B. (Hons.) 2021–2026 batch.

The certificate was presented on August 29, 2026, by Dr. Narayani Ramachandran, Director, NMIMS Bengaluru.

Shreya's achievement is particularly significant given her family's long association with the legal profession. Her grandfather, Late Banshidhar Prasad, was himself a well-known lawyer who earned respect through his professional career and contribution to the legal field. While her father, Achal Abhishek, chose a career in banking, Shreya has followed the legal path and is now emerging as a promising young talent in the profession.

Being recognised as the Best Student at a prestigious institution such as NMIMS School of Law is a significant accomplishment and reflects Shreya's academic excellence, dedication and overall performance during her five-year integrated law programme.

Her success marks an important milestone in the family's journey and represents a continuation of the legal legacy established by her grandfather.

For the people of Motihari, her achievement is also a matter of pride, as a young talent from the city is making her presence felt at one of India's reputed institutions for legal education.

Family members, friends and well-wishers have congratulated Shreya and expressed confidence that she will achieve even greater heights in the field of law in the years ahead.

August rainfall fails to reduce India's monsoon deficit

New Delhi, Agency : Better-than-expected rainfall in many parts of the country in August has failed to reduce India's cumulative monsoon rainfall deficit. While the country's cumulative rainfall deficit (since June 1) was 13% as of July 31, it touched nearly 14% a month later due to a huge shortfall in Bihar, Andhra Pradesh, Punjab and some northeastern states.This deficit led to an acreage gap in the sowing of kharif (summer-sown) crops, with paddy, the major seasonal crop, reporting a decline of more than 3% compared with the corresponding period last year.

Maize that contributes the most as feedstock for ethanol production in the country reported an even bigger decline of more than 4% compared with the corresponding period in 2025. This may eventually create pressure for sugarcane to be used as feedstock for ethanol production.

The acreage of all kharif crops, taken together, was

reportedly down nearly 2% as of Friday compared with the corresponding period last year. The acreage deficit was nearly 3% at the end of July. The acreage could not be increased due to erratic distribution of rainfall in both the key monsoon months of July and Aug.

Though many parts of the country defied El Nino-linked predictions and got normal rainfall, 12 states have reported a rain deficit of more than 20% since June 1, with Bihar, Andhra Pradesh and three north-eastern states - Meghalaya, Manipur and Arunachal Pradesh - reporting a huge deficit of more than 40% in cumulative (June 1-Aug 29) rainfall.

49 Indians among 261 foreigners missing after flash flood on Tibet-Nepal border

New Delhi, Agency: Chinese officials on Sunday said 261 foreign nationals, including 49 Indians, remained unaccounted for after a catastrophic flash flood struck Gyirong Port, one of the main border crossings between Nepal and Tibet, on August 26

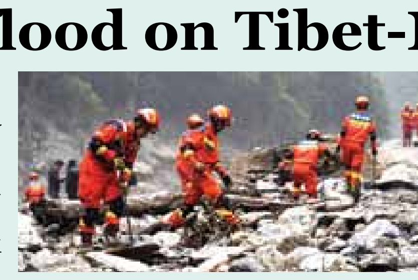

The 261 foreigners are from 23 countries, Chinese officials told a media briefing at Gyirong, state-run Xinhua news agency reported.

The media briefing was held after a joint search and cross-checking of information by foreign affairs, public security, culture and tourism, and emergency management authorities.

Pak drones, armed men spur searches in Poonch, Rajouri

Jammu, Agency: Security forces have launched joint cordon-and-search operations along the LoC and after suspected Pakistan drones hovered in Poonch and Rajouri districts since Friday and reports emerged about movement of armed people in forested belts of Udhampur-Kathua and Rajouri, official sources said.

One drone was spotted hovering over forward areas along the LoC in Poonch, prompting the searches early Saturday, the

sources said. "The Pakistani drone was observed in Behrooti village in Mendhar sector late Friday evening. It moved towards Mangalnar-Dabrote, near the border, before returning to Pakistan," a security source said.

In Rajouri, Pakistani drones were spotted in a border area of Rumlidhara in Nowshera sector, leading to intensive searches. The operations are still continuing, aimed at ensuring that no weapons, narcotics or other contraband were air-dropped by the drones, the sources said. Separately, police, Army and paramilitary forces, have been combing vast forested patches in Udhampur, Kathua and Rajouri following information about suspicious movements of people, the sources said.

The operations started late Friday evening in Khuban, Marta, Jopher, and adjoining areas of Udhampur-Kathua forests and were still underway. Two Jaish-e-Mohammed (JeM) terrorists were neutralised in these jungles in Feb this year. The duo had been holed up in a cave in Jopher area.